● वर्ष-3
● अंक-265
रायपुर, शनिवार
15 जून 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट में दिखेंगी...

बेहतर भविष्य के लिए रचनात्मक तकनीक जरूरी: मोदी

अपुलिया (इटली)। आज जी7 शिखर सम्मेलन का दूसरा दिन है। सम्मेलन का आयोजन इटली में हो रहा है। सम्मेलन के एक आउचरीच सत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम मेधा) में राष्ट्रीय रणनीति तैयार करने वाले पहले कुछ देशों में से एक है।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत का दृष्टिकोण चार सिद्धांतों उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य और स्वीकार्यता पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि हमें मिलकर आने वाले समय को हरित युग बनाने का प्रयास करना चाहिए। 2047 तक विकसित भारत का निर्माण हमारा संकल्प है। हमारी प्रतिबद्धता है कि समाज का कोई भी वर्ग पीछे न छूटे। ग्लोबल साउथ के देश वैश्विक अनिश्चितताओं और तनाव का खामियाजा भुगत रहे हैं। ग्लोबल साउथ के देशों की प्राथमिकताओं और चिंताओं को विश्व मंच पर रखना भारत की जिम्मेदारी है। हमें गर्व है कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 ने अफ्रीकी संघ को समूह का स्थायी सदस्य बनाया।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि कई लोग यूरोपीय संसद के चुनावों में व्यस्त थे। भारत में भी कुछ महीने पहले चुनाव का समय था। मेरा सौभाग्य है कि भारत के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार उनकी सेवा करने का अवसर दिया। भारत के लोगों ने इस ऐतिहासिक जीत के रूप में जो आशीर्वाद दिया है, वह लोकतंत्र की जीत है। यह पूरे लोकतांत्रिक विश्व की जीत है।

विदेशी नेताओं से की मुलाकात -संबोधन से पहले पीएम मोदी ने वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के अलावा कई नेताओं से मुलाकात की। पीएम मोदी ने पोप फ्रांसिस से भी मुलाकात की और गले लगकर उनका अभिवादन किया।

एक दिन पहले इटली पहुंचे पीएम मोदी- बता दें, प्रधानमंत्री मोदी एक दिन पहले तीसरे कार्यकाल की शपथ लेने के बाद पहले विदेश दौरे पर इटली पहुंचे। भारतीय राजदूत वाणी राव ने उनका स्वागत किया। इटली पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने कहा- वैश्विक नेताओं के साथ उत्पादक चर्चाओं में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। हमारा लक्ष्य साथ मिलकर वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना और उज्ज्वल भविष्य के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

जी7 की जैतून के पेड़ से तुलना- इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने कहा कि हम इंडो-पैसिफिक पर अपने बढ़ते फोकस के महत्व पर चर्चा करेंगे।

उन्होंने बताया कि इटली प्रेसिडेंसी ने जिस महत्वपूर्ण मुद्दे को प्राथमिकता दी है, वह अफ्रीका से जुड़ा हुआ है। यह सिर्फ अफ्रीका ही नहीं बल्कि प्रवास से जुड़ा मामला और मानव तस्करी से जुड़ा मामला है। उन्होंने जी7 की तुलना जैतून के पड़ों की पत्तियों से की, जिनकी जड़े मजबूत और शाखाएं भविष्य की ओर फैली हुई हैं।

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश में आतंकी हमलों के मद्देनजर शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति और अमरनाथ यात्रा की तैयारी की समीक्षा के लिए 16 जून को नॉर्थ ब्लॉक में एक बैठक बुलाने का भी निर्देश दिया। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, सेना, पुलिस, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। पिछले कुछ दिनों में चार आतंकी घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की थी। एक बड़े कदम में, उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ अभियानों में भारत की आतंकवाद-रोधी क्षमताओं के पूर्ण स्पेक्ट्रम को तैनात करने के लिए कहा।

3 नए आपराधिक कानून 1 जुलाई से लागू होंगे, मेमोरेंडम जारी

नई दिल्ली। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि तीन नए आपराधिक कानून 1 जुलाई, 2024 को लागू होंगे। डीओपीटी ने सभी मंत्रालयों और विभागों से इन नए कानूनों की सामग्री को अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल करने का आग्रह किया है। यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए है कि सभी संबंधित कर्मी नए कानूनी बदलावों को लागू करने से पहले उनके बारे में पर्याप्त रूप से तैयार और जानकार हों। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक, 2023- भारतीय को प्रतिस्थापित करने का प्रस्ताव, दंड संहिता (आईपीसी), 1860, जिसे अंग्रेजों द्वारा बनाया गया था, भारत का आधिकारिक आपराधिक कोड है जो विभिन्न अपराधों और उनकी सजाओं को सूचीबद्ध करता है। राजद्रोह हटा, लेकिन एक और प्रावधान अलगाववाद, अलगाववाद, विद्रोह और भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ कृत्यों को दंडित करना, नाबालिगों से सामूहिक बलात्कार और मॉब लिंचिंग के लिए मौत की सज़ा का प्रावधान, सामुदायिक सेवा को पहली बार दंडों में से एक के रूप में पेश किया गया। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023- दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1973 को बदलने का प्रस्ताव। सीआरपीसी आपराधिक मामलों में जांच, गिरफ्तारी, अदालती सुनवाई, जमानत और सजा की प्रक्रिया तय करती है। समयबद्ध जांच,

सुनवाई और बहस पूरी होने के 30 दिनों के भीतर फैसला। यौन उत्पीड़न पीड़ितों के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य की जाएगी। अपराध की संपत्ति और आय की कुर्की के लिए एक नया प्रावधान पेश किया गया है। भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023- इसने भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का स्थान ले लिया। दस्तावेजों में इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड, ई-मेल, सर्वर लॉग, कंप्यूटर, स्मार्ट फोन, लैपटॉप, एसएमएस, वेबसाइट, स्थानीय साक्ष्य, मेल, उपकरणों पर संदेश भी शामिल होंगे।

केस डायरी, एफआईआर, चार्ज शीट और फैसले सहित सभी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड का कागजी रिकॉर्ड के समान ही कानूनी प्रभाव, वैधता और प्रवर्तनीयता होगी। संशोधित विधेयक यह भी स्पष्ट करता है कि प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट तीन साल से अधिक की कारावास की सजा, या ?50,000 से अधिक का जुर्माना, या दोनों या सामुदायिक सेवा की सजा दे सकते हैं।

एनआईए ने छग में संदिग्ध माओवादियों से संबंधित ठिकानों पर की छापेमारी

गरियाबंद जिले में छह संदिग्धों के परिसर रहे निशाने पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी- माओवादी (भाकपा-माओवादी) के संदिग्ध कार्यकर्ताओं से संबंधित कई ठिकानों पर छापेमारी की। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गयी। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों के दौरान निर्वाचन आयोग की एक टीम के काफिले पर भाकपा-माओवादी के हमले के संबंध में बृहस्पतिवार को यह छापेमारी की गयी। एनआईए ने बयान में कहा, प्रतिबंधित भाकपा-माओवादी संगठन के मैनपुर-नौपाड़ा मंडल के संदिग्ध कार्यकर्ताओं व समर्थकों के परिसरों में छापेमारी के दौरान कई मोबाइल फोन और 2,98,000 रुपये नकद जब्त किये गये। एनआईए की टीम ने मामले की जांच के तहत गरियाबंद जिले के मैनपुर थाना क्षेत्र के बड़ेगोबरा गांव के माओवादी प्रभावित इलाके में छह संदिग्धों के परिसरों में छापेमारी की। बयान के मुताबिक, नवंबर 2023 में हुए हमले में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) का एक हेड कांस्टेबल घायल हुआ था। एनआईए ने फरवरी 2024 में मामले की जांच अपने हाथ में ली और हमला करने वाले अपराधियों की पहचान भाकपा-माओवादी कार्यकर्ताओं के रूप में की थी।

थोक महंगाई दर 15 महीने के उच्च स्तर 2.61% पर पहुंची

नई दिल्ली। मई में देश की थोक महंगाई दर 15 महीने के उच्च स्तर 2.61 प्रतिशत पर पहुंच गई। अप्रैल महीने में यह 1.26 फीसदी थी। थोक खाद्य मुद्रास्फीति मई में बढ़कर 7.4 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल में 5.5 प्रतिशत और मई 2023 में 4.82 प्रतिशत थी। मई में मासिक आधार पर थोक कीमतों में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। खाद्य वस्तुओं विशेषकर सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में लगातार तीसरे महीने बढ़कर 2.61 प्रतिशत पर पहुंच गई। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति इससे पिछले महीने 1.26 प्रतिशत थी। मई 2023 में यह (-) 3.61 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, मई, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों के निर्माण, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, खनिज तेलों, अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति मई में 9.82 प्रतिशत बढ़ी जबकि अप्रैल में यह 7.74 प्रतिशत थी। सब्जियों की मुद्रास्फीति मई में 32.42 प्रतिशत रही जो इससे पूर्व महीने में 23.60 प्रतिशत थी। प्याज की मुद्रास्फीति 58 दशमलव शून्य पांच प्रतिशत और आलू की मुद्रास्फीति 64 दशमलव शून्य पांच प्रतिशत रही। मई में दालों की महंगाई दर 21 दशमलव नौ-पांच प्रतिशत बढ़ी।

ईंधन और बिजली बास्केट में मुद्रास्फीति 1.35 प्रतिशत रही, जो अप्रैल की 1.38 प्रतिशत की मुद्रास्फीति से थोड़ी कम है। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति अप्रैल में (-) 0.42 प्रतिशत से बढ़कर 0.78 प्रतिशत हो गई।

प्रमुख समाचार

राम मंदिर को उड़ाने की धमकी बढ़ाई गई अयोध्या की सुरक्षा

नई दिल्ली। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की ओर से राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दिए जाने के बाद अयोध्या अलर्ट मोड पर आ गई है। राम मंदिर में निगरानी बढ़ा दी गई है। राम मंदिर समेत महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट की भी सुरक्षा में इजाफा किया गया है। एसएसपी राजकरण नय्यर ने शुक्रवार को महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अयोध्या धाम की सुरक्षा पहले से ही कड़ी है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित करते हुए सीनियर राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया है। विभिन्न जोन में सुरक्षाकर्मी पहले से ही तैनात हैं। जिला पुलिस के अलावा पीएसी की भी कई कंपनियां प्राप्त हुई हैं। पीएसी को लगाकर सुरक्षा की जा रही है। महत्वपूर्ण स्थलों की भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी 24 घंटे की जाती है। पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से देखा जाता है, जो भी रियल टाइम इनपुट जनरेट होते हैं, उसको लेकर ग्राउंड पर लगे हुए लोगों को तत्काल कंट्रोल रूम से सूचित किया जाता है। उसी के हिसाब से कार्रवाई की जाती है। वहीं, रामजन्मभूमि परिसर में तैनात अधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों को अलर्ट मोड पर कर दिया गया है।

केंद्र-एनटीए को 'सुप्रीम' नोटिस

नई दिल्ली। नीट-यूजी विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को नोटिस जारी किया। नोटिस राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक, 2024 में प्रश्नपत्र लीक और अन्य गड़बड़ियों के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका को लेकर जारी किया गया है। इसके अलावा कोर्ट ने याचिकाओं को अलग-अलग हाईकोर्ट से शीर्ष अदालत में हस्तांतरित करने की मांग वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की याचिका पर भी सभी पक्षों को नोटिस जारी किया है। याचिका पर 8 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। जस्टिस विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाश पीठ ने मामले की सुनवाई की। इस दौरान राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के वकील की इस दलील पर गौर किया कि प्रश्नपत्र लीक होने और अन्य गड़बड़ियों के आरोपों के आधार पर नीट-यूजी को रद्द करने की मांग करने वाली कई याचिकाएं कई उच्च न्यायालयों में लंबित हैं। पीठ ने कहा कि हम नोटिस जारी कर रहे हैं। इन पर 8 जुलाई को सुनवाई होगी। इस बीच एनटीए ने कहा कि वह तीन अन्य याचिकाओं को वापस लेना चाहता है, जो उच्च न्यायालयों से मामलों को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की मांग कर रही थीं, क्योंकि वे 5 मई को परीक्षा के दौरान समय की बर्बादी के कारण 1,563 उम्मीदवारों को अनुग्रह अंक देने से संबंधित थीं।

कुवैत में जान गंवाने वालों में इंजीनियर से लेकर ड्राइवर तक

नई दिल्ली। कुवैत की एक इमारत में बुधवार को लगी आग ने 45 भारतीयों की जानें लील लीं। आग इतनी भयावह थी कि धुएं के गुबार में जान बचाने के लिए कोई उपाय न दिखने पर कई लोगों ने मजबूरी में इमारत से छलांग लगा दी थी। अब हादसे में मारे गए भारतीयों के पार्थिव शरीर को लेकर भारतीय वायुसेना का एक विशेष विमान शुक्रवार सुबह कोच्चि पहुंच गया है। साथ में राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह भी मौजूद हैं। मृतकों के शवों को अंतिम संस्कार के लिए भारत वापस लाया गया है। कई घरों के चिरागों को आग ने लील लिया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। इंजीनियर, ड्राइवर, सुपरवाइजर और अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले पीड़ित अपने घरों का खर्चा चला रहे थे। हादसे में जान गंवाने वाले ज्यादातर केरल (23) से हैं। इसके बाद तमिलनाडु से सात, आंध्र प्रदेश में तीन, उत्तर प्रदेश, झारखंड और ओडिशा से दो-दो और बंगाल, बिहार, पंजाब, कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा से एक-एक हैं, जिनकी मौत हुई है। ज्यादातर पीड़ित कुवैत की एक कंपनी एनबीटीसी के लिए काम करते थे, जो देश की सबसे बड़ी निर्माण कंपनी है। जिस इमारत में आग लगी वह भी एनबीटीसी की थी। वहीं, कुछ पीड़ित हाल ही में काम के लिए कुवैत गए थे.

बीएस येदियुरप्पा को हाई कोर्ट से बड़ी राहत

बेंगलुरू। कर्नाटक हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पॉक्सो मामले में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने कहा कि येदियुरप्पा को 17 जून को जांचकर्ताओं के सामने पेश होना है। उल्लेखनीय है कि बेंगलुरु की एक अदालत ने गुरुवार को येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो के एक मामले में गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। भाजपा नेता के खिलाफ 14 मार्च को यह मुकदमा दर्ज हुआ था। इससे पहले सीआईडी के विशेष जांच दल ने बुधवार को पूछताछ के लिए येदियुरप्पा के पेश नहीं होने पर उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की मांग करते हुए फास्ट ट्रैक अदालत का दरवाजा खटखटाया था। वहीं येदियुरप्पा ने जांच में शामिल होने के लिए समय मांगा था। भाजपा ने कहा, सरकार महिला द्वारा दर्ज कराई गई 53 शिकायतों में से केवल येदियुरप्पा जी पर ही ध्यान क्यों दे रही है। इन शिकायतों में उसके अपने बच्चों और पति का नाम भी शामिल है। शिकायत दर्ज होने के तीन महीने बाद अचानक गिरफ्तारी की साजिश क्यों रची गई? अगर दिल्ली में कांग्रेस के नेता ऐसी घृणित, प्रतिशोधी राजनीति करते हैं और येदियुरप्पा जी को निशाना बनाते हैं तो इसमें कोई संदेह नहीं है.

भारत- सैटेलाइट इंटरनेट सेवा जल्द लॉन्च कर सकती है रिलायंस जियो

नई दिल्ली। भारत में इलॉन मस्क की कंपनी से पहले दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा लॉन्च कर सकते हैं. समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भारत सरकार के एक अधिकारी के हवाले से कहा है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के जियो प्लेटफॉर्म और लक्जमबर्ग स्थित एसईएस के बीच गीगाबिट फाइबर इंटरनेट सेवा देने के लिए करार हुआ है और इसको भारत के अंतरिक्ष नियामक से सैटेलाइट ऑपरेट करने की मंजूरी मिल गई है. ऑर्बिट कनेक्ट इंडिया को तीन मंजूरियां ऐसे समय में दी गई हैं, जब अमेजन डॉट कॉम से लेकर इलॉन मस्क की स्टारलिंक जैसी कंपनियां दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की अनुमति के लिए होड़ में लगी हुई हैं. भारत के दूरदराज इलाकों में इंटरनेट ऑर्बिट कनेक्ट इंडिया का उद्देश्य सैटेलाइट आधारित हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराना है. इन्हें अप्रैल और जून में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रोत्साहन और प्राधिकरण केंद्र ने मंजूरी दी थी. इससे ऑर्बिट कनेक्ट को भारत के ऊपर सैटेलाइट का संचालन करने की मंजूरी मिल जाएगी, लेकिन ऑपरेशन शुरू करने के लिए देश के दूरसंचार विभाग से आगे की मंजूरी की जरूरत होगी.

विकसित भारत के लिए जरूरी है राजग के हर दल में प्रतिबद्धता

बद्री नारायण

भारत के संसदीय चुनाव-2024 का परिणाम आ चुका है। एक बार फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, जिसे सामान्यत: राजग कहा जाता है, ने बहुमत प्राप्त कर सरकार बना ली है। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। भारतीय जनतांत्रिक इतिहास में यह दूसरी घटना है। इसके पूर्व भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। चुनाव परिणामों पर काफी समीक्षा हो चुकी है। अब तक शायद ही किसी के पास कुछ नया कहने के लिए बचा हो। लेकिन इतना तो तय है कि यह चुनाव अनेक आश्चर्यों का चुनाव रहा। पहला आश्चर्य तो यह कि जिन दक्षिण भारतीय राज्यों का दरवाजा भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक सफलता के लिए बंद था, या यों कहें कि जहां की जमीन भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के लिए माकूल नहीं मानी जाती थी, इस चुनाव परिणाम ने उन राज्यों, यथा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना को भाजपा के लिए नई संभावनाओं का प्रदेश बना दिया है।

दूसरा आश्चर्य यह देखने में आया कि ओडिशा, जहां राजनीतिक विचारक बीजू जनता दल (बीजद) के नेता नवीन पटनायक के जादू को उनके जीवित रहने तक समाप्त होता नहीं देख रहे थे, वहां भाजपा ने अपनी महान सफलता दर्ज की। इसका मुख्य कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति ओडिशा की जनता में बढ़ता आकर्षण ही है। प्रधानमंत्री मोदी और ओडिशा के प्रभावी नेता धर्मेंद्र प्रधान ने पूरे चुनाव अभियान में 'उड़िया अस्मिता% के प्रश्न को एक 'लोकप्रिय जन प्रश्न में बदल दिया। इस लोकप्रिय अभियान ने ओडिशा की राजनीति के पूरे परिदृश्य को ही बदल कर रख दिया। इस चुनाव परिणाम ने यह भी बताया कि विकास का मोदी मॉडल, नवीन मॉडल पर प्रभावी रहा। ओडिशा के युवाओं में नए डिजिटल भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है। तीसरा आश्चर्य यह रहा कि जहां उत्तर प्रदेश के आस-पास के हिंदी प्रदेशों, यथा मध्य प्रदेश, बिहार में भाजपा और राजग ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं उत्तर प्रदेश में इसका प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा। इंडिया गठबंधन ने आरक्षण, संविधान इत्यादि के खतरे पर आधारित जो वृत्तांत तैयार किया, उसने उत्तर प्रदेश में जातीय गोलबंदी की जमीन तैयार की। कई राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं कि यह ऐसी जातीय गोलबंदी की राजनीति थी, जिसने पिछड़े-अति पिछड़े एवं दलितों के एक हिस्से को समाजवादी पार्टी या इंडिया गठबंधन की तरह गोलबंद होने का आधार तैयार किया। ऐसे विश्लेषकों का मानना है कि इस प्रकार की जातीय गोलबंदी ने ही उत्तर प्रदेश में हिंदुत्व के वृहत वृत्तांत को तोड़कर जातियों के अस्मितापरक वृत्तांत को शक्तिवान बनाया। अब प्रश्न यह उठता है कि अगर ऐसा है, तो यह पैटर्न मंडल राजनीति से गहरे रूप से प्रभावित बिहार या उत्तर प्रदेश से सटे मध्य प्रदेश में क्यों सफल होता नहीं दिखाई पड़ा? इस प्रश्न के उत्तर में यह कहा जा सकता है कि बिहार में भाजपा और राजग गठबंधन के पास अनेक पिछड़े एवं दलित प्रभावी चेहरों का एक कोलाज मौजूद था, जिसमें नीतीश कुमार, सम्राट चौधरी, जीतन राम मांझी, चिराग पासवान जैसे नेता शामिल हैं। नीतीश कुमार का गैर-यादव, पिछड़े समूहों, महादलित सामाजिक समूहों में अपना प्रभाव तो है ही, अगड़े वोटों के एक हिस्से पर भी उनका अच्छा असर है। वहीं जीतन राम मांझी के कारण मुसहर, जो बिहार में एक बड़ी महादलित जातीय समूह है, राजग की तरफ बड़े पैमाने पर झुकी। चिराग पासवान के कारण संख्या बल में बिहार की सबसे बड़ी दलित जाति दुसाध या पासवान की गोलबंदी राजग के पक्ष में हुई। इसलिए बिहार में इंडिया गठबंधन के भयदोहन पर आधारित गोलबंदी के वृत्तांत पिछड़ों एवं दलितों में प्रभावी नहीं हो सके। मध्य प्रदेश में कांग्रेस संगठन की कमजोरी, उसमें प्रभावी नेताओं का अभाव इत्यादि के कारण %इंडिया% गठबंधन की जातीय अस्मिता आधारित गोलबंदी की राजनीति सफल नहीं हो सकी। वहीं दूसरी तरफ, मध्य प्रदेश में भाजपा के पास पिछड़े एवं अति पिछड़े समूहों से जुड़े अनेक नेता मौजूद हैं। शिवराज सिंह चौहान, मोहन यादव, प्रह्लाद सिंह पटेल आदि अनेक पिछड़े, अति पिछड़े चेहरों ने वहां कांग्रेस एवं %इंडिया% गठबंधन के पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) की राजनीति को इस चुनाव में कमजोर बना दिया। यह ठीक है कि आगे आने वाले समय में हिंदी पट्टी की राजनीति भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण तो होगी ही, इंडिया गठबंधन के लिए भी चुनौतियां कम नहीं होंगी। एक तरफ भाजपा को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा इत्यादि राज्यों में अपनी सांगठनिक एवं चुनावी रणनीति पर विचार कर उसे पुनर्नवा करना होगा। वहीं दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन से जुड़े राजनीतिक दलों के लिए भी उत्तर प्रदेश में अपने अर्जित प्रभाव को बचाए रखना भी एक बड़ी चुनौती होगी।

गैर-यादव पिछड़े, अति पिछड़े एवं दलितों का जो हिस्सा उनकी तरफ झुका है, उन्हें अपने साथ जोड़े रखना उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। राजग गठबंधन को उत्तर प्रदेश जैसे हिंदी पट्टी के प्रदेशों में पिछड़े, अति पिछड़े एवं दलित समूहों में जमीन से जुड़े नेता एवं कार्यकर्ताओं की एक फौज तैयार करनी होगी, जो इन समूहों को पुन: अपनी तरफ ला सके। हिंदुत्व एवं विकास की राजनीति के साथ उसे अपने पक्ष में सामाजिक समूहों के गठबंधन को पुनर्गठित करना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के जिस लक्ष्य को लेकर प्रतिबद्ध हैं, उसे प्राप्त करने के लिए राजग गठबंधन के सभी दलों में एक प्रतिबद्ध भाव जगाना भी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती होगी। प्रधानमंत्री मोदी अपने चिर-परिचित संवाद शैली में राजग गठबंधन की सरकार को अपनी लक्ष्यों की प्राप्ति के दिशा में चला पाएंगे, ऐसा हम सबको विश्वास है।

बारूदी सुरंग में विस्फोट से दो जवान घायल

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर ज़िले में बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के दो जवान घायल हो गए हैं पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के कोहकामेटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुतुल गांव के करीब बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से भारत तिब्बत सीमा पुलिस के दो जवान घायल हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि नारायणपुर के कोहकामेटा थाना क्षेत्र के कुतुल और मोहंदी गांव के मध्य जंगलों में गश्त के लिए आईटीबीपी के 53वीं वाहिनी के दल को रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि गश्त के दौरान आज सुबह छह बज कर लगभग तीस मिनट पर कुतुल गांव के करीब माओवादियों द्वारा लगाई गई बारूदी सुरंग में विस्फोट हो गया। इस घटना में दो जवान घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल जवानों को घटना स्थल से बाहर निकाला गया तथा अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी स्थिति सामान्य और खतरे से बाहर है। क्षेत्र में खोज अभियान जारी है।

आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी का जवान घायल

बीजापुर। बीजापुर में शुक्रवार को बन्देपारा के जंगल में नक्सलियों द्वारा प्लांट की गई आईईडी ब्लास्ट होने से डीआरजी का एक जवान घायल हो गया। उसे सामान्य चोट पहुंची है। पुलिस के मुताबिक नक्सली विरोधी अभियान के लिए 10 जून को बीजापुर डीआरजी, बस्तर फाईटर, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त पार्टी फरसेगढ़ क्षेत्र के नेशनल पार्क एरिया में अभियान पर निकली थी।

अभियान के दौरान शुक्रवार को मद्देड़ थाना क्षेत्र के बन्देपारा के जंगल में नक्सलियों द्वारा प्लांट की गई आईईडी विस्फोट होने से डीआरजी जवान लच्छु कड़ती मामूली रूप से घायल हो गया है। पुलिस ने बताया कि जवान की स्थिति सामान्य और खतरे से बाहर है।

केजंग मोबाईल टॉवर की आगजनी में शामिल नक्सली गिरफ्तार

कोंड़ागांव। जिले के थाना बयानार क्षेत्र अंर्तगत ग्राम केजंग में लगे जीओ मोबाईल टॉवर को 27 मार्च 2024 के रात्रि 09:30 बजे अज्ञात नक्सलियों द्वारा आगजनी की सूचना पर प्रार्थी थाना हाजिर की रिपोर्ट पर पतासाजी के दौरान मुखबीर से मिली सूचना पर सीएएफ एवं जिला बल के टीम ग्राम केजंग के जंगल से घेराबंदी कर एक नक्सली रूकधर सोरी निवासी केजंग को गिरफ्तार कर थाना बयानार लाये एवं 27 मार्च 2024 के घटना के संबंध में पुछ-ताछ करने पर गिरफ्तार रूकधर सोरी ने बताया की वह उक्त घटना दिनांक को नक्सली कमाण्डर रैजू लोहार, विजय, चैता, एवं अन्य नक्सलियों के साथ रात्रि में ग्राम केजंग के मोबाईल टॉवर को जनरेटर का डीजल निकालकर जनरेटर को एवं पैनल को जला दिये बैनर बाधे और पर्चा फेके फिर ग्राम पेरमापाल की तरफ निकल गये। आरोपी नक्सली रूकधर सोरी पिता स्व. सुक्का सोरी उम्र 50 वर्ष निवासी केजंग थाना बयानार जिला कोंड़ागांव द्वारा अपराध कबूल करने पर पृथक से रिमाण्ड तैयार कर कोंड़ागांव के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश कर आदेशानुसार जेल दाखिल किया गया।

हाईटेक हो रहे नक्सली, जंगल में माओवादियों के पास से मिले 3 स्नाइपर जैकेट

सुकमा। सुकमा जिले के कंगालतोंग के जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई कार्रवाई में एक बड़ा खुलासा हुआ है। लगातार बस्तर में हाईटेक हो रहे नक्सली संसाधनों को जूटा कर खुद को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर रहे हैं। एक ऑपरेशन के दौरान सुकमा के घने जंगलों से जमीन के नीचे डंप किए गए नक्सली सामग्री के ढेर से स्नाइपर जैकेट का सेट मिला है। स्नाइपर जैकेट ने सुरक्षा एजेंसियों को भी चौंका दिया है क्योंकि यह अब तक की पहली घटना है जहां नक्सलियों के पास से स्नाइपर जैकेट बरामद किया गया है। जिस तरह से नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं । इन सब के बीच नक्सली लगातार खुद को हाईटेक सुविधाओं से लैस करने की तैयारी में जुटे हैं।

मामले की पुष्टि करते हुए सुकमा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने बताया कि कंगालतोंग के जंगलों में पुलिस पार्टी सर्च अभियान पर निकली हुई थी इसी दौरान नक्सली जवानों को आता देखकर डंप की गई सामग्री को छोड़ भाग खड़े हुए। जिसके बाद सर्चिंग के दौरान नक्सली सामग्रियों के बीच तीन नाग स्नाइपर जैकेट का सेट मिला है। वहीं मौके से बीजीएल के सेल, एक- 47 राइफल के जिंदा राउंड, विस्फोटक सामग्री,

इलेक्ट्रिक वायर, भरमार बैरल, नक्सली दस्तावेज लकड़ी के स्पाइक, कॉम्बैट वर्दी का कपड़ा समेत अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया गया है।

गौरतलब है कि पिछले 4 महीने से बस्तर भर में नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज किए गए हैं जहां 120 से ज्यादा नक्सली ढेर किया जा चुके हैं जैसे-जैसे जवान जंगलों में कैंप स्थापित कर खुद को हाईटेक कर रहे हैं और संसाधनों से लैस कर रहे हैं वैसे-वैसे नक्सली भी खुद को हाईटेक करते नजर आ रहे हैं। बीते दिनों नारायणपुर के जंगलों में नक्सलियों का रिमोटबम बनाने का अहम दस्तावेज सुरक्षा एजेंसियों के हाथ लगा था जिसमें बिना किसी वायर के दूर बैठे बम को कमांड किए जाने का दावा किया जा रहा है। पिछले चार ऑपरेशन में जवानों को नक्सलियों के पास से जवानों की हूबहू कॉम्बैट वर्दी भी मिली है जिसमें नक्सलियों द्वारा जवानों को गुमराह करने के षड्यंत्र का खुलासा हुआ। वहीं लगभग सभी ऑपरेशन में बरामद किए गए सामग्रियों में नक्सलियों का हैंडमेड भरमार बैरल और बैरल के सेल भी बरामद हुई जिससे जवानों को नक्सली निशाना बनाते हैं।

कुछ महीने पहले नक्सलियों के द्वारा बीजापुर के चिंतावागू इलाके में सुरक्षाकैंप पर हमला किया गया था और कैंप लूटने की तैयारी थी । इस दौरान सर्चिंग में प्राकृतिक संसाधनों और झाड़ियां से नक्सलियों द्वारा बनाया गया 50 से अधिक जैकेट मिला था ,जो हूं बहू स्नाइपर जैकेट की तरह खुद को जंगलों में छुपाने में मददगार था । इस घटना के बाद 13 जून को कंगालतोंग के जंगलों में नक्सलियों के अस्थाई कैंप से तीन नाग स्नाइपर जैकेट मिलना सुरक्षा एजेंसीयों के लिए चौका देने वाला मामला बन गया है ।

गौरतलब है कि स्नाइपर जैकेट का सेट आम बाजार में मिल पाना संभव नहीं है और जो स्नाईपर जैकेट नक्सलियों के पास से मिला है वह किसी जवान से लूटा हुआ भी नहीं है । ऐसे में एक बड़ा सवाल उठ रहा है कि नक्सली प्रतिबंधित सामग्रियों को आखिर कैसे जुटा पा रहे हैं । नक्सलियों का शहरी नेटवर्क भी समय के साथ मजबूत होता दिखाई दे रहा है।

छग को मिला वेस्ट जोन हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी

- **20 से 28 जून तक खेले जायेगी राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगता**

राजनांदगांव। ठाकुर प्यारे लाल उ.मा.शाला में जिला हॉकी संघ राजनांदगांव की आवश्यक बैठक संघ के अध्यक्ष श्री फिरोज अंसारी की अध्यक्षता व सचिव श्री शिवनारायण धकेता की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। जिसमें 20 से 28 जून तक राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगता आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही अगामी माह 21 जुलाई से दूसरी वेस्ट जोन हॉकी प्रतियोगिता का मेजबानी छत्तीसगढ़ करेगा। बैठक में स्पर्धा आयोजित कर जिले की टीम बनाने के लिए सुश्री ऑशा थॉमस और श्री अनुराज श्रीवास्त को जूनियर वर्ग एवं श्री किशोर धीवर व श्री शकिल अहमद को सबजूनियर वर्ग के लिए चयनकर्ता नियुक्त किया गया है।

बैठक में 5वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता 20 से 28 जून 2024 तक सब जूनियर व जूनियर बालक/बालिका हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें जूनियर वर्ग का आयोजन सचिव अनुराज श्रीवास्तव व सबजूनियर वर्ग का आयोजन सचिव प्रिंस भाटिया को बनाया गया। टूर्नामेंट का संयोजक नीलम जैन तथा महेंद्र ठाकुर होंगे। जिला हॉकी संघ के सचिव ने जानकारी देते हुए कहा कि पूर्व की भॉति इस वर्ष भी हॉकी इंडिया ने दूसरी जूनियर बालक/बालिका वेस्ट जोन राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी छत्तीसगढ़ को दी है जिसके सुचारू रूप से संचालन एवं अन्य विषयो को ध्यान में रखते हुए किए जाने का निर्णय

लिया गया है।

वेस्ट जोन के लिए संचालन समिति के संयोजक श्री भुषण सॉव वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी को नियुक्त किया गया हैं। आयोजन सचिव फिरोज अंसारी होंगे। जिला हॉकी संघ के बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा निर्णाय लिया गया है कि वर्तमान में चल रहे जिला हॉकी संघ के तत्वधान में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र तथा अन्य पुरस्कार प्रदान किया जाए ,उसी के साथ ही अगस्त माह में सीनियर मार्निग हॉकी प्रतियोगिता 2024 का तथा सितम्बर-अक्टूबर में जिला हॉकी लीग आयोजन किये जाने संबंध में चर्चा की गई।

49 अभ्यर्थियों को मिला अनुकम्पा नियुक्ति पत्र

57 युवाओं को मिला रोजगार के लिए नियुक्ति पत्र

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम ने बताया कि जिले के विभिन्न विभागों के अंतर्गत अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित 58 प्रकरणों में पात्र पाए गए 44 प्रकरणों में अनुकम्पा नियुक्ति के तहत विभिन्न विभागों में 17 पटवारी, 14 सहायक ग्रेड-3 तथा 13 भृत्य पदों पर नियुक्ति दी गई है। वहीं नगर पालिक निगम में 2 सहायक राजस्व निरीक्षक एवं 3 भृत्य पद पर नियुक्त किये गए हैं तथा नगर पालिक निगम जगदलपुर के 5 अभ्यर्थियों को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है।

जिले में कौशल विकास प्राधिकरण के माध्यम से प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने हेतु आयोजित रोजगार मेला में चयनित 57 युवाओं को निजी क्षेत्र के विभिन्न कम्पनियों में रोजगार के लिए नियुक्ति पत्र सौंपा जा रहा है। जिसमें 52 का चयन सिक्योरिटी गार्ड और 5 का चयन मोटर मैकेनिक के रूप में हुआ है। आने वाले दिनों में 80 युवाओं को रोजगार हेतु पुन- नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने इन युवाओं को लगन एवं मेहनत से अच्छा काम करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इन युवाओं से अन्य युवाओं को भी साथ में जुडने् का प्रोत्साहन मिलेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, महापौर श्रीमती सफीरा साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि और सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, नगर निगम आयुक्त हरेश मण्डावी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

नक्सलियों का असली चेहरा आया सामने पैसा नहीं देने पर हुई जोगाराम की हत्या

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा पुलिस ने पोटाली गांव के पूर्व जनपद सदस्य जोगाराम पोड़ियाम के हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया है।घटना 26 अप्रैल की थी। जब जोगाराम अपने घर पर खाना खा रहा था।तभी 15 की तादाद में नक्सली जोगाराम के घर हथियारों से लैस होकर पहुंचे।इसके बाद जोगाराम को घर से बाहर निकालकर टांगी और धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। इसके बाद रात के अंधेरे में फरार हो गए।

हत्या के बाद पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने अरनपुर थाने में मामला दर्ज किया। मामले के आरोपियों के पता लगाने के लिए एसपी गौरव राय ने पुलिस अफसरों की टीम गठित की। इसी दौरान 12 जून को हत्या में शामिल एक आरोपी की गिरफ्तारी की गई। जिसने हत्या में शामिल सभी आरोपियों के नामों का खुलासा किया।हत्यारों का नाम पता चलने के बाद पुलिस ने 13 जून को हत्या के तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया।जोगीराम की हत्या करने के आरोप में पुलिस ने तीन आरोपियों बंडी माड़वी, हूंगाराम मरकाम और सुक्काराम सोड़ी को अरेस्ट किया है।तीनों आरोपी अरनपुर

थाना के निवासी है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि नक्सली लीडर ने जोगाराम पोड़ियाम से पैसों की मांग की थी।लेकिन जोगाराम ने पैसे देने से मना कर दिया था।इसके बाद जोगाराम को हत्या की धमकी खत के माध्यम से दी गई।लेकिन फिर भी जोगाराम ने पैसे नहीं दिए।इसके बाद नक्सली संगठन ने जोगाराम की हत्या करने का फरमान जारी किया।इसी फरमान की वजह से घटना वाले दिन 15 नक्सलियों ने हथियारों से लैस होकर जोगाराम पर धावा बोला।गिरफ्तार हुए आरोपियों ने हत्या में शामिल अन्य लोगों के नामों की जानकारी दी है।फिलहाल सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करके जेल भेजा गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

नवपदस्थ कलेक्टर क्षीरसागर ने कार्यालयों का किया निरीक्षण

कांकेर। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने आज जिला कार्यालय एवं संयुक्त कार्यालय में स्थित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर क्षीरसागर ने अपर कलेक्टर एवं कलेक्टोरेट स्टाफ कक्ष, जिला कोषालय कार्यालय, नजूल शाखा, स्थानीय निर्वाचन एवं सामान्य निर्वाचन, भू-अभिलेख शाखा, अभिलेखागार, डायवर्सन शाखा, एसडीएम कार्यालय, जिला आबकारी कार्यालय, खनिज विभाग, आदिवासी विकास विभाग, जिला विपणन अधिकारी, खाद्य अधिकारी, जनसम्पर्क कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया।कलेक्टर ने विभिन्न कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान विभागीय कार्यों के बारे में जानकारी ली और कार्यालयीन दस्तावेजों को व्यवस्थित एवं साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्टाफ नियमित रूप से कार्यालय में अपनी उपस्थिति दें और आम नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार समय-सीमा में कार्यवाही करें। इस दौरान अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पूर्णतः प्रतिबंध

कांकेर। जिला प्रशासन ने बरसात में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) को दृष्टिगत रखते हुये उन्हें संरक्षण देने हेतु जिले में छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम-1972 के तहत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) के रूप में घोषित किया गया है। इस दौरान जिले के समस्त नदी-नालों तथा छोटी नदियों, सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के बड़े या छोटे तालाब, जलाशय में सभी प्रकार का मत्स्याखेट 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक पूर्णत- प्रतिबंध रहेगा। इन नियमों का उल्लंघन करने पर छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य क्षेत्र संशोधित अधिनियम के नियम-3 (5) के अन्तर्गत अपराध सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास अथवा 10 हजार रूपये का जुर्माना अथवा दोनों एक साथ होने का प्रावधान है। उक्त नियम छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी नाले से नहीं है, उसमें लागू नहीं होगा।

कोरबा प्रेस क्लब के राजेन्द्र अध्यक्ष, नागेन्द्र सचिव निर्वाचित

कोरबा। कोरबा प्रेस क्लब की वर्ष 2024-26 के लिए नई कार्यकारिणी गठन के लिए निर्वाचन की प्रक्रिया के तहत गुरुवार को संपन्न हुई जिसमें 172 में से 168 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। चुनाव अधिकारी अधिवक्ता एलएन अग्रवाल ने अपने सहयोगी सौरभ अग्रवाल व नेहा अग्रवाल के साथ निर्वाचन की समस्त प्रक्रिया प्रेस क्लब तिलक भवन में प्रक्रिया पूरी कराई। सुबह 10 से दोपहर तीन बजे तक चले मतदान के बाद शाम को मतगणना की गई और चुनाव परिणाम घोषित किया गया। जिसमें प्रेस क्लब के अध्यक्ष पद राजेन्द्र जायसवाल 84 मत प्राप्त कर विजयी घोषित किए गए। वहीं नागेन्द्र श्रीवास सचिव 120 मत प्राप्त कर चुने गए। सबसे पहले कार्यकारिणी सदस्य का परिणाम घोषित हुआ। कार्यकारिणी सदस्य के नौ उम्मीदवारों में से राजकुमार शाह 69 मत, शेख असलम 61 मत व नीलम पड़वार 51 मत से विजयी निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष के दावेदार रामेश्वर ठाकुर 67 मत प्राप्त कर विजयी हुए।

बाइक सवार दंपती को ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर

दुर्ग। दुर्ग के कुम्हारी में ट्रक ने बाइक सवार दंपती को पीछे से टक्कर मारी दी, इस घटना में चार साल की बच्ची की मौत हो गई। वहीं, बच्ची की मां को सिर पर चोट आई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और उसकी मां को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक, कुम्हारी थाना क्षेत्र के ओवर ब्रिज में सुबह दुर्ग से रायपुर की और जा रहे दंपती को ट्रक ने पीछे टक्कर मारी दी। जिससे बाइक सवार दंपती गिर गए और बीच में बैठी चार साल की बच्ची ट्रक के पहिए के नीचे आ गई। जिससे घटनास्थल पर ही बच्ची को मौत हो है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर कुम्हारी पुलिस पहुंचकर शव को पीएम के लिए भिजवा दिया और घायल उसकी मां कोअस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्ची की पहचान कुमारी रियांसी चिचगढ़ जिला गोदिया महाराष्ट्र के रूप में की है। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया है पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। कुम्हारी थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर स्टाफ के साथ घटनास्थल पहुंचे।

तीन दिन पहले हुई हत्या की गुथी सुलझी

कोरबा। कोरबा के कुसमुंडा के सौन्दरहा नाला में तीन दिन पहले मिली एक युवती की लाश की गुत्थी पुलिस के द्वारा सुलझा ली गई है। इस मामले में मनबोध भारद्वाज को गिरफ्तार किया गया है। शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या करने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने जांच की दिशा तय कि और आरोपी को गिरफ्तार किया। कोरबा जिले के कुसमुंडा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत सौंदरहा नाला में अज्ञात युवती का शव मिला था। तेरस राम कश्यप और दशरथ कश्यप ने मृतका की पहचान अपनी बहन राम कुमारी कश्यप 37 वर्ष के रूप में की। पुलिस ने बताया कि इस सिलसिले में धारा 302 201 आईपीसी के अंतर्गत अपराध क्रमांक 219/ 2024 दर्ज कर जांच की जा रही थी। पूछताछ में पता चला कि युवती का अफेयर्स जांजगीर चांपा जिले के नवागढ़ सेमरा निवासी मनबोध भारद्वाज के साथ था। पुलिस ने इस आधार पर उसे अपने कब्जे में लिया और पूछताछ की। इस दौरान ज्ञात हुआ कि आरोपी की पत्नी की मृत्यु काफी समय पहले हो गई थी।

जल जीवन मिशन के लिए तोड़ी सड़क, बारिश से पहले मुसीबत

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। जिले के नागपुर क्षेत्र में 20 ग्राम पंचायतों में 19 करोड़ 20 लाख रुपए की जल जीवन मिशन योजना के लिए गांवों में पाइपलाइन बिछाई जा रही है।लेकिन बारिश से पहले हो रहे इस काम का खामियाजा अब ग्रामीणों को भुगतना होगा।क्योंकि बिना किसी प्लान के पीएचई विभाग जेसीबी की मदद से पाइप लाइन के लिए डामर और सीसी रोड को खोद रहा है।

नागपुर, बरबसपुर, महाराजपुर क्षेत्र में हसदेव नदी से पानी लाने के लिए समूह जल प्रदाय योजना के तहत काम किया जा रहा है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में पानी टंकी बनाई गई है। जहां पानी

पहुंचाने के लिए ठेकेदार की मनमानी चल रही है।नेशनल हाईवे 43 के बगल की भूमि पर जेसीबी मशीन से खुदाई कर पाइपलाइन बिछाई जा रही है। ऐसे में बिना अनुमति के कहीं भी डामरीकृत और सीसी सड़क को मनमाने तरीके से खोद कर पाइप लाइन डाली जा रही है।

ठेकेदार ने सड़क को जेसीबी से तोड़कर पाइप डाला

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत बरबसपुर के इंदिरा कॉलोनी जाने वाली सड़क लगभग 1 वर्ष पहले बनाई गई थी। जल जीवन मिशन के ठेकेदार ने इस सड़क को जेसीबी से तोड़कर पाइप डाला है।ग्राम पंचायत बरबसपुर के आमाडांड़ में एक महीना पहले गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है। बेमौसम बारिश होने से गड्ढे में पानी भरने से लोग दुर्घटना का शिकार होते हैं। ग्राम पंचायत लाई में महुआपारा से अमृत धारा जाने वाली सड़क वाली को जेसीबी से तोड़ दिया गया है।

ईई पीएचई एसएस पैकरा ने कहा नागपुर ग्रामीण क्षेत्रों में समूह जल प्रदाय योजना के तहत गांव-गांव में पाइप लाइन बिछाकर, टंकी बनाकर पानी पहुंचाने का कार्य चल रहा है। ग्रामीणों ने शिकायत की है तो मामले की जांच करेंगे।

जांच के बाद होगी कार्रवाई = ईई के मुताबिक नेशनल हाईवे 43 की भूमि पर जेसीबी मशीन से खुदाई कर पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया है। ठेकेदार ने अभी कुछ गलत काम किया है तो पाइप लाइन की शिफ्टिंग का कार्य करवाएंगे।

मानसून से पहले की बारिश में लबालब हो गई नालियां

- **हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए विभागीय सचिव के साथ निगम आयुक्त से मांगा जवाब**

बिलासपुर। बिलासपुर में जलभराव का मुद्दा हाईकोर्ट पहुंच गया है, मामले में हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए शहरी प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव के साथ बिलासपुर नगर निगम आयुक्त को जल भराव के संबंध में उठाए गए कदमों पर व्यक्तिगत हलफनामा दायर करने कहा है। इसके साथ ही होर्डिंग्स की वजह से बिजली बाधित को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 3 जुलाई को होगी।

बता दें कि समाचारों में गली मोहल्लों की नालियां कचरे और गंदगी से भरी पड़ीं होने की खबरें आ रही थी, इसे हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका के रूप में स्वीकार कर सुनवाई शुरू की है। इसमें शासन को पक्षकार बनाया गया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की डबल बेंच में सुनवाई हुई।

इस दौरान कोर्ट ने कहा है, कि हल्की बारिश के

दौरान कश्यप कॉलोनी में अधूरे नाली निर्माण के कारण पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में सड़क पर जलभराव की स्थिति हो गई। कश्यप कॉलोनी में नाली निर्माण का कार्य पिछले दो माह से चल रहा है और बारिश से पहले काम पूरा नहीं होने से समस्या आ रही है। बुधवार को हुई हल्की बारिश से पुराने बस स्टैंड और राजीव प्लाजा की नालियां भी लबालब हो गई।

इसके साथ ही होर्डिंग तेज अंधड़ में नीचे जाकर बिजली लाइन में फंस गया, जिससे और 33 केवी लाइन में फाल्ट हो गया। इसे सुधारने में काफी समय लगा। इस अवधि के दौरान पुराने आरटीओ, व्यापार विहार और पीजीबीटी सब स्टेशन से बिजली आपूर्ति घंटों बाधित रही। अभी मानसून की बारिश शुरू नहीं हुई है, और इससे पहले ही लोगों को जलजमाव की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इसे लेकर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है।

हाईकोर्ट के रिटायर जज सीवी करेंगे बलौदाबाजार हिंसा की जांच

इधर भाजपा ने भी बनाई जांच कमेटी, कांग्रेस नेता बलौदाबाजार दौरे पर

रायपुर/बलौदाबाजार-भाटापारा। बलौदाबाजार हिंसा को लेकर छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार फुल एक्शन में है। वहां के तत्कालीन कलेक्टर केएल चौहान और एसपी सदानंद कुमार को सस्पेंड करने के बाद फिर एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य शासन ने गिरौधपुरी धाम के ग्राम महकोनी के अमरगुफा में जैतखाम क्षतिग्रस्त मामले में जांच करायेगी। इसके लिए छत्तीसगढ उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को जांच अधिकारी बनाया गया है। राज्य शासन ने 6 बिन्दुओं पर जांच के लिए एकल सदस्यीय न्यायिक जांच का आदेश जारी किया है। जांच समिति तीन महीने के भीतर राज्य शासन को रिपोर्ट सौंपेगी।

छत्तीसगढ उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सीबी बाजपेयी की एकल सदस्यीय टीम इस घटना की जांच कर 3 महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट राज्य शासन को सौंपेंगे। 15 और 16 मई 2024 की रात्रि में बलौदाबाजार जिले के गिरौधपुरी धाम के ग्राम महकोनी स्थित अमरगुफा में जैतखांभ की क्षतिग्रस्त होने पर मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने गत दिवस बलौदाबाजार में न्यायिक जांच कराये जाने की घोषणा की थी। गृहमंत्री की घोषणा पर राज्य शासन ने कार्यवाही करते हुए आज शुक्रवार को उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सीबी बाजपेयी की एकल सदस्यीय टीम घटना की जांच करेंगे। वो तीन महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट राज्य शासन को सौंपेंगे।

दूसरी ओर बलौदाबाजार घटना को लेकर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरणसिंह देव ने पांच सदस्यीय जांच कमेटी बनाई है। यह कमेटी बलौदाबाजार हिंसा संबंधित स्थान का दौरा करेगी। हिंसा से संबंधित तथ्यों की जांच पड़ताल कर सात दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट पार्टी को सौंपेगी। कमेटी में प्रदेश के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल संयोजक बनाए गए हैं। वहीं खेलकूद मंत्री टंकराम वर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, बीजेपी अजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नवीन मार्कंडेय और पूर्व विधायक रंजन साहू सदस्य बनाए गए हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, विधायक, पदाधिकारी 14 जून को बलौदाबाजार दौरे पर रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी बलौदाबाजार जायेंगे। कांग्रेस के नेतागण बलौदाबाजार में घटनास्थल का निरीक्षण के साथ वहां के नागरिकों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ चर्चा करेंगे।

जानें क्या था मामला

बता दें कि पिछले महीने अराजक तत्वों ने अमर गुफा में जैतखाम को क्षति पहुंचायी थी। इस पर पुलिस की जांच से असंतुष्ट होकर समाज के लोगों ने जांच की मांग की थी। शर्मा ने सीएम के निर्देश पर न्यायिक जांच की घोषणा की है। इस पर समाज के लोगों ने संतुष्टि जाहिर करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए कार्यक्रम रखा था। इसी दौरान असामाजिक तत्वों ने भीड़ में घुसकर घटना को अंजाम दिया है, जिसकी जांच की जा रही है। जैतखाम में तोड़फोड़ के विरोध में सतनामी समाज के लोग कलेक्ट्रेट के पास बवाल मचाया। उपद्रवियों ने तांडव मचाते हुए कलेक्टर और एसपी कार्यालय को आग के हवाले कर दिया। कई वाहनो को फूंक दिया। घटना के दौरान 20-30 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। पुलिस ने बड़ी संख्या में उपद्रवियों की लिस्ट जारी की है। मामले में बलौदाबाजार के कलेक्टर और एसपी को वहां से हटाने के बाद उन्हें सस्पेंड भी कर दिया गया है।

बलौदाबाजार हिंसाः सत्यनारायण शर्मा ने डीजीपी को लिखा पत्र

रायपुर। बलौदाबाजार में बीते सोमवार यानी 10 जून को हुई हिंसक घटना के बाद अब स्थिति सामान्य हो गई है और पुलिस मामले में कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार कर रही है। सरकार भी इस पर सख्त है और मामले पर नजर बनाए हुए है। वहीं पुलिस की कार्रवाई को लेकर पूर्व विधायक सत्यनारायण शर्मा ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अशोक जुनेजा को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने मांग की है कि समाज के निर्दोष लोगों और दंगाईयों में प्रशासन फर्क करे। पूर्व विधायक सत्यनारायण शर्मा ने पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर कहा है कि गिरौदपुरी धाम में जैतखाम को तोड़फोड़ कर अपवित्र करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किये जाने के लिये सतनामी समाज के लोग शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा हुए थे। भीड़ में शामिल कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड और आगजनी की गई। जिसके कारण पुलिस असामाजिक तत्वों और समाज के निर्दोष लोगों के बीच भेद न करते हुए पूरे सतनामी समाज को अपराधी ठहरा रही है। शर्मा ने किसी भी प्रकार की गुंडागर्दी, और ऑर्ट आगजनी का विरोध करते हुए पुलिस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि अराजक लोगों द्वारा किये गए कार्यों के कारण छत्तीसगढ़ पुलिस समस्त सतनामी समाज पर बर्बर तरीके से उन पर अत्याचार कर रही है जो कि अमानवीय और मानव अधिकार का सीधा उल्लंघन है। सत्यनारायण शर्मा ने इस मामले की उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर तथ्यों की सूक्ष्म जांच कराकर निर्दोष लोगों को फंसाने और उन पर पुलिस द्वारा की जा रही अमानवीय और बर्बर कार्रवाई पर रोक लगाने तथा असामाजिक तत्वों पर कठोर से कठोर कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

बलौदाबाजार से हटाने के बाद अब तत्कालीन कलेक्टर और एसपी सस्पेंड

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार फुल एक्शन में है। बलौदाबाजार आगजनी के बाद जिले के कलेक्टर और एसपी को वहां से हटाने के बाद अब राज्य सरकार ने तत्कालीन कलेक्टर केएल चौहान और एसपी सदानंद कुमार को सस्पेंड कर दिया है। मामले में भारी लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की गई है। गुरुवार की देर रात सरकार ने ये कार्रवाई की है।

बलौदाबाजार कलेक्टोरेट में सामान्य दिनों की तरह काम-काज फिर से शुरू हो गया है। सभी विभागों के अधिकारी आम दिनों की तरह ही अपने-अपने विभागों का काम-काज कर रहे हैं। जिला प्रशासन की पहल पर बलौदाबाजार स्थित कलेक्टर परिसर स्थित संयुक्त कार्यालय में गत दिनों हुई आगजनी और तोड़फोड़ की घटना में क्षतिग्रस्त वाहनों के बीमा क्लेम दिलाने के लिए जनसुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है। इस केन्द्र में बीमा क्लेम प्राप्त करने के लिए कोई भी आम नागरिक और शासकीय अधिकारी-कर्मचारी जिनका स्वयं का वाहन इस घटना में क्षतिग्रस्त हुआ है, इस जन सुविधा केन्द्र में आवेदन जमा कर सकते हैं।

नवनियुक्त कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा घटना में क्षतिग्रस्त हुए वाहन के स्वामियों को बीमा क्लेम दिलाने में सहयोग दिया जा रहा है, ताकि क्षतिग्रस्त वाहन स्वामियों को बीमा की राशि प्राप्त करने में आसानी हो। उन्होंने बताया कि जनसुविधा केन्द्र में बीमा क्लेम के लिए प्राप्त होने वाले आवेदनों का परीक्षण कर संबंधित बीमा कंपनियों को भेजा जाएगा, जिससे क्षतिग्रस्त वाहनों के स्वामियों को बीमा राशि मिल सके। उन्होंने बताया कि कलेक्टोरेट कार्यालय के कक्ष क्रमांक-07 में जनसुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है। बीमा क्लेम प्राप्त करने के लिए वाहन मालिकों को आवश्यक दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करना होगा। जनसुविधा केन्द्र के नोडल अधिकारी जिला कोषालय अधिकारी को नोडल अधिकारी और जिला परिवहन अधिकारी तथा लीड बैंक मैनेजर को सदस्य बनाया है।

कलेक्टर ने बताया कलेक्टोरेट में काम-काज सामान्य दिनों की तरह चालू हो गया है। सभी विभागों के अधिकारी अपने-अपने विभागों का काम-काज सुचारू रूप से कर रहे हैं। आम जनता की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने जिले के नागरिकों से अपील की है कि जिले में शांति, सदभाव बनाये रखने में जिला प्रशासन को सहयोग करें।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री बनने के बाद तोखन साहू आज आ रहे छत्तीसगढ़, जोरदार स्वागत की तैयारी

बिलासपुर। केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास राज्य मंत्री बनने के बाद बिलासपुर के सांसद तोखन साहू आज दिल्ली से रवाना होकर दोपहर 2 बजे रायपुर पहुंचेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से रायपुर में मुलाकात करने के बाद वे अगले दिन 16 जून को राजधानी एक्सप्रेस से रवाना होकर बिलासपुर पहुंचेंगे। बिलासपुर में भाजपा कार्यकर्ता उनके स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। बता दे कि पदभार ग्रहण करने के बाद दिल्ली में उन्होंने विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक लेकर विभाग की योजनाओं और उनकी प्रगति की जानकारी ली। विशेष तौर पर छत्तीसगढ़ में संचालित हो रही योजनाओं के बारे में उन्होने जानकारी ली।

आईएएस नीरज कुमार बंसोड को केंद्र में संयुक्त सचिव के लिए किया गया इम्पैनल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 2008 बैच के आईएएस नीरज कुमार बंसोड को केंद्र में संयुक्त सचिव या समकक्ष पद के लिए इम्पैनल किया गया है। बंसोड के साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2008 बैच के 64 अधिकारियों को पैनल में शामिल किया गया है। मूलतः महाराष्ट्र के रहने वाले 2008 बैच के आईएएस नीरज कुमार बंसोड ने प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में बीई किया है। उसके बाद उन्होंने निजी क्षेत्र में भी काम किया और सिविल सेवा की तैयारी के लिए दिल्ली चले गए। 2007 में उन्होंने यूपीएससी से सिविल सेवा परीक्षा पास की, जिसमें उन्होंने एआईआर 88वीं रैंक सेक्योर की थी। आईएएस चयनित होने के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ में अपने कार्यभार की शुरुआत बिलासपुर जिला पंचायत के सीईओ और सुकमा जिला कलेक्टर के रूप में कार्य की थी।

बृजमोहन अग्रवाल खुद को डॉन समझते थे अब बन गए बिल्ली : कवासी लखमा

रायपुर। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के साथ ही छत्तीसगढ़ के साय कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा तेज हो गई है। रायपुर लोकसभा सीट से शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने प्रचंड बहुमत से चुनाव जीता और अब संसद में पहुंचने के बाद उनके मंत्री पद से इस्तीफे को लेकर भी चर्चा तेज है। वहीं बृजमोहन अग्रवाल के मंत्री और सांसद पद से इस्तीफे को लेकर पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बृजमोहन अग्रवाल खुद को छत्तीसगढ़ का डॉन समझते थे, लेकिन अब डॉन बिल्ली बन गए हैं। पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने साय सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा में अंदरूनी मामला शुरू हो गया है। बृजमोहन अग्रवाल को भाजपा ने न घर का रखा और ना ही घाट का। उन्होंने तंज कसते हुए आगे कहा, कि बृजमोहन अग्रवाल खुद को छत्तीसगढ़ का डॉन समझते थे, लेकिन अब डॉन (बृजमोहन अग्रवाल) बिल्ली बन गए हैं। विष्णुदेव सरकार उनको कहीं का नहीं छोड़ने वाली है। वह न विधायक बन पाएंगे और न ही सांसद।

आयकर विभाग की टीम ने फैंसी स्टोर्स संचालक के घर मारा छापा

महासमुंद। आयकर विभाग की टीम ने महासमुंद जिले के पिथौरा में फैंसी स्टोर्स संचालक के घर पर छापा मारा है। आयकर विभाग की टीम 24 घंटे से दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। आयकर विभाग की 12 सदस्यों की टीम चार वाहनों में श्रृंगारिका फैंसी स्टोर्स के संचालक आनंद अग्रवाल के घर पर पहुंची । पूर्व में भी पुलिस अधीक्षक के आदेश पर आनंद अग्रवाल के घर छापा मारा गया था, तब साइबर क्राइम की टीम ने दस्तावेजों को खंगाल था।

छत्तीसगढ़ में 602 परीक्षार्थी देंगे दोबारा नीट की परीक्षा

रायपुर। नीट की परीक्षा में बालोद और दंतेवाड़ा परीक्षा केंद्र में हुई गड़बड़ी के कारण छत्तीसगढ़ के 602 छात्रों को एनटीए की तरफ से ग्रेस मार्क देने के बाद यह विवादों में घिर गया। इसके खिलाफ कुछ अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी और सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेस मार्क को रद्द कर दोबारा परीक्षा करवाने का आदेश दिया है। मेडिकल और डेंटल कालेजों में प्रवेश के लिए पांच मई को देशभर में नीट की परीक्षा हुई। जिस दिन परीक्षा हुई उसी दिन से परीक्षा विवादों में आ गई। पेपर लीक, परीक्षा केंद्रों में समय पर पेपर नहीं मिलने जैसे विवाद सामने आने लगे। देशभर के अभ्यर्थी जहां पर गड़बडियां हुई है, वो कोर्ट चले गए। कोर्ट में परीक्षा रद्द करने की मांग करने लगे। परीक्षा परिणाम संभावित तिथि से 10 दिन पहले यानी चार जून को घोषित कर दिए गए और ग्रेस मार्क के कारण अंकों में भी गड़बड़ी हुई। 718, 719 अंक भी अभ्यर्थियों को मिले इस लेकर भी अभ्यर्थियों ने शोर मचाया। इसके बाद एनटीए की तरफ से बताया गया कि जिन परीक्षा केंद्रों में परीक्षा में देरी की शिकायत मिली है, वहां के छात्रों को ग्रेस मार्क दिए गए है, इस वजह से 718 और 719 अंक मिले हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक ग्रेस अंक पाने वाले छात्रों की 23 जून को परीक्षा होगी, 30 जून को परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा जिसमें छत्तीसगढ़ के 602 परीक्षार्थी भी शामिल है जो नीट की दोबारा परीक्षा देंगे।

डिप्टी सीएम साव ने कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस बलौदाबाजार की घटना पर कर रही राजनीति

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा घटना को लेकर प्रदेश में सियासत गरमाई हुई है। सरकार और विपक्ष में बयानबाजी का दौर जारी है। इसी कड़ी में आज शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बलौदाबाजार में कांग्रेस की जांच टीम के जाने को लेकर कड़ी प्रतीक्रिया दी है। उन्होंने कहा, कि कांग्रेस बलौदाबाजार जैसी घटना पर भी राजनीति कर रही है। यह बेहद शर्मनाक है। जबकि सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए पहले कलेक्टर-एसपी को हटाया गया, फिर दोनों को सस्पेंड किया गया। मामले में कई एफआईआर दर्ज की गई है। साथ ही कई उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने बलौदाबाजार हिंसा घटना को लेकर कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि, धरना स्थल में कई कांग्रेस नेता उपस्थित थे। इन नेताओं का वहां क्या काम था? दरअसल, कांग्रेस नेताओं ने लोगों को भड़काने का काम किया है।

डिप्टी सीएम साव ने कहा कि, सत्ता जाने के बाद कांग्रेस नेताओं में भारी बौखलाहट है। ये लोग अपनी राजनीति के लिए छत्तीसगढ़ को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, इसे जनता जान चुकी है। वहीं सरकार पूरी तरह से सजग है, छत्तीसगढ़ में किसी भी कीमत पर अराजकता और हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। असामाजिक तत्वों पर कठोरता से कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि, सरकार ने बलौदाबाजार घटना की जांच के लिए न्यायिक आयोग गठित की है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सीबी बाजपेयी की एकल सदस्यीय टीम घटना की जांच करेगी और 3 महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपेगी। सरकार छत्तीसगढ़ की शांति और कानून व्यवस्था के लिए पूरी तरह से सजग है।

कांग्रेस की सीबीआई जांच की मांग पर मूणत ने किया पलटवार

बलौदाबाजार हिंसाः कहा- तुम करो तो रासलीला

रायपुर। बलौदाबाजार हिंसा मामले को लेकर प्रदेश में सिसासत गरमा गई है। सत्ता में बैठी भाजपा और विपक्ष की कांग्रेस दोनों ही इस घटना को लेकर घेरने में लगी है। राज्य की साय सरकार ने इस घटना को लेकर न्यायिक जांच के आदेश दिये हैं। वहीं इस घटना में लोकल प्रशासन की जांच को लेकर कांग्रेस ने ष्टक्क्ष्ठ जांच करवाने की मांग की है। कांग्रेस की मांग पर अब पूर्व मंत्री और विधायक राजेश मूणत ने पलटवार किया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बलौदाबाजार दौरे पर पूर्व मंत्री व विधायक राजेश मूणत तंज कसते हुए कहा कि अच्छी बात है, जाएं और देखें। उनके पास भी तथ्य हैं तो सकारात्मक सुझाव दे, लेकिन झीरम घाटी जैसी भूमिका नहीं चाहिए।

राजेश मूणत ने झीरम घाटी मामले में कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि जेब में सबूत था, लेकिन 5 साल तक के सबूत नहीं निकाल पाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सीबीआई को प्रतिबंधित किया था। छत्तीसगढ़ की स्ढ्ढञ्ज से जांच कराते थे। अब जब भाजपा सरकार लोकल प्रशासन से जांच करवा रही है, तो कह रहे हैं कि सीबीआई से जांच करवाओ। यह तो वही बात है कि तुम करो तो रासलीला!

वहीं बलौदाबाजार के कलेक्टर और एसपी के निलंबन पर विधायक मूणत ने कहा, कि छत्तीसगढ़ शांति का टापू है। सरकार का कर्तव्य बनता है, जो कानून हाथ में लेगा उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि राजनीतिक, सामाजिक या अन्य कोई भी व्यक्ति हो, कानून को हाथ में नहीं लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय सभी विभागों की समीक्षा पर पूर्व मंत्री व विधायक राजेश मूणत ने कहा कि अच्छी प्लानिंग योजना के साथ आने वाले भविष्य में क्या कर सकते हैं, इस पर विचार कर रहे हैं।

वहीं बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद राजेश मूणत ने मंत्री बनने के संभावनाओं पर कहा कि मैं कहीं नहीं खड़ा हूं, मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं। मेरी पार्टी है, मेरी सरकार है।

स्टेट पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता 16 को

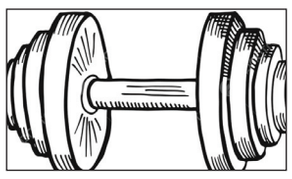

रायपुर। वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग इंडिया छग एसोसिएशन के तत्वाधान में ताम्रकार प्लेटिनम फिटनेस जिम लाखेनगर में 16 जून को स्टेट पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में बेंच प्रेस और डेड लिफ्ट की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रतियोगिता का उदघाटन सुबह 11 बजे बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल एवं आजीवन अध्यक्ष शिव मोहन शुक्ला करेंगे। शाम 6.30 बजे समाजसेवी एवं प्रोटीन विला छग के डायरेक्टर दुर्गेश साहू करेंगे। प्रतियोगिता में सभी वर्ग के खिताबधारी को 21000 रुपए का नगद पुरस्कार एवं आकर्षक मेडल दिए जायेंगे। साथ ही उज्जैन में होने वाली नेशनल पावर लिफ्टिंग की प्रतियोगिता में छग की टीम का भी गठन किया जाएगा।

सिलेबस से बाहर सवाल पूछे जाने पर छात्रों ने किया हंगामा

- **एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर का था पेपर, विवि प्रबंधन ने परीक्षा की तिथि बढ़ाई**

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में शुक्रवार को छात्रों ने हंगामा कर दिया। विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाएं चल रही है। एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर का पालिटिकल साइंस का पेपर था। छात्रों को प्रश्नपत्र बांटा गया। छात्रों ने प्रश्नों को देखकर हंगामा शुरू कर दिए।छात्रों का आरोप था कि प्रश्नपत्र में जितने भी प्रश्न आए है, सभी हमारे पाठ्यक्रम के बाहर से आए है। छात्र-छात्राएं परीक्षा नहीं देने पर अड़ गए। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने आगे छात्रों को समझाने की कोशिश की। छात्रों के नहीं मानने पर परीक्षा को रद कर दिया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. शैलेंद्र कुमार पटेल ने बताया कि आमतौर पर एक या दो प्रश्न पाठ्यक्रम के बाहर से आते हैं, लेकिन छात्रों का आरोप है कि सभी प्रश्न पाठ्यक्रम के बाहर से हैं। हम इसकी जांच करा रहे हैं। पेपर को रद कर दिया गया है। जारी समय सारणी के अनुसार पांच जुलाई को अंतिम पेपर है। इसके बाद पालिटिकल साइंस की परीक्षा की तिथि तय करेंगे। छात्र 10 जुलाई की मांग कर रहे हैं। इस दिन एटीकेटी परीक्षा नहीं होगी तो, इसी तिथि में परीक्षा ले लेंगे। पेपर कब होगा इसकी तिथि बाद में तय कर करेंगे।

छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न से विजय मिश्रा अलंकृत

- **अभा संस्कार भारती साहित्यकार सम्मान समारोह सम्पन्न**

रायपुर। अखिल भारतीय कला साहित्य संस्था संस्कार भारती के द्वारा राजधानी रायपुर में साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि रविशंकर विश्वविद्यालय के कुलपति सच्चिदानंद शुक्ला, विशिष्ट अतिथि डीएसपी ललिता मेहर, इंदिरा कला विश्वविद्यालय नाटय विभागाध्यक्ष धीरेन्द्र चौबे ने शाल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र और तरह तरह के बिरूवा (पौधे)से कलमकारों को सम्मानित किया।

संस्कार भारती की ओर से प्रदत्त छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न सम्मान2024 से पद्मश्री सुरेन्द्र दुबे, रामेश्वर वैष्णव,मीर अली मीर,डॉ चितरंजन कर, रामेश्वर शर्मा, सुशील भोले, विजय मिश्रा अमित, राजेश चौहान, डॉ अनिल भतपहरी, शकुंतला तरार, डॉ सीमा श्रीवास्तव आदि अलंकृत हुए।

संस्कार भारती के अध्यक्ष रिखी क्षत्रिय, लोकरंजनी सांस्कृतिक संस्था के संचालक, संगीत नाटय अकादमी से पुरस्कृत राकेश तिवारी ,डॉ पुरषोत्तम चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ी कलमकारों की सेवाओं को बहूमूल्य निरूपित किया। वरिष्ठ साहित्यकार विजय मिश्रा ने कहा गलाकाट प्रतिस्पर्धा और संकिर्णता के दौर में दूसरों को सम्मानित करना बड़े ह्दय होने का प्रमाण है । समारोह में कवियों ने ऊम्दा काव्यपाठ कर जनमन को बांधे रखा।

देवभोग के घने जंगल में खतरों से जूझते हुए की बिजली आपूर्ति बहाल

- **मुख्यमंत्री साय एवं सचिव दयानंद ने सराहा**

रायपुर। मानसून के पहले आए आंधी तूफान से बाधित हुई विद्युत आपूर्ति को सुधारने के लिए प्रदेशभर में बिजली कर्मी जी-जान लगाकर जुटे हुए हैं। राजधानी से 250 किलोमीटर दूर देवभोग के घने जंगल में आंधी तूफान के कारण 11 जून को पेड़ गिरने से बिजली तार टूट गए, जिसे विद्युत अमले ने त्वरित गति से कार्य करते हुए आधी रात को ही सुधारकर उपभोक्ताओं तक विद्युत आपूर्ति बहाल की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व्दारा जनसेवा के कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने मौसम की चुनौतियों का सामना कर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने वाले विद्युतकर्मियों की सराहना की है। पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री पी. दयानंद ने भी कर्मियों के साहस और समर्पण की प्रशंसा की और उन्हें इसके लिए बधाई दी, वहीं धैर्य रखने के लिए आम जनता को धन्यवाद प्रेषित किया है।

रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संदीप वर्मा ने बताया कि रात 11 जून को तेज आंधी तूफान और बारिश के कारण शाम साढे छह बजे 33 केवी देवभोग फीडर लाइन फॉल्ट(बंद) हो गई। जिसे शीघ्र ही देवभोग के अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा पेट्रोलिंग कार्य प्रारंभ किया गया। घने व लंबी दूरी तक के जंगल, सीमित मानव संसाधनों, हाथी व नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के बावजूद विद्युत कर्मियों ने रात में ही पेट्रोलिंग कार्य जारी रखा। कार्यपालन अभियंता गरियाबंद ने अधिकारियों-कर्मचारियों को सुरक्षित रहते हुए, सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिये तथा सुधार कार्यों की निरतंर जानकारी लेते रहे। कार्यपालक निदेशक श्री वर्मा फ़ोन पर व व्हाट्सएप्प संदेश के माध्यम से विद्युत बहाली हेतु रात्रि में जारी विद्युत कर्मियों के लगातार संपर्क में रहे।

विद्युत कर्मचारियों व्दारा नक्सल प्रभावित व हिंसक वन्य प्राणियों की मौजूदगी वाला क्षेत्र होने के बाद भी गाडियों और पैदल पेट्रोलिंग करते हुए, घुप्प अंधेरे में टार्च की रोशनी तथा बरसते पानी के बीच लगातार अपनी जान की परवाह किये बगैर सुधार कार्य जारी रखा।

कार्यालय कलेक्टर/अध्यक्ष, जिला निर्माण समिति सुकमा जिला - सुकमा (छ.ग.)

// मैनुअल पद्धति प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक / 62 / NIT No 01 / जि.नि.स.. / 2024-25 सुकमा, दिनांक 10/06/2024

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु.लाख मे)	निविदा का प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	प्राथमिक शाला भवन निर्माण कार्य टेकलगुडियम (कोन्टा)	15.94	21/06/2024

उपरोक्त कार्यो की निविदा से संबंधित आवश्यक शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस पर कार्यालय से प्राप्त की जा सकेगी :-

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

सहा. नोडल अधिकारी
(कार्य.अभि.ग्रा.स.वि.अभि.) जिला निर्माण समिति सुकमा (छ.ग.)

जी-242500245/5

ताकतवर होता है लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद

अभिनय आकाश

लोकसभा का चुनाव हो गया। नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली। उनकी कैबिनेट के मंत्रियों ने अपना कामकाज भी संभाल लिया। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर चर्चा हो रही है। आखिरकार इस पद पर कौन बैठेगा? आपको बता दें कि पिछले 10 सालों से ये पद खाली है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद लेने का अनुरोध किया है। इस सवाल पर कि क्या राहुल ने पद स्वीकार कर लिया है, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा उन्होंने सीडब्ल्यूसी की भावनाओं को सुना है। राहुल गांधी ने सीडब्ल्यूसी से कहा कि वह बहुत जल्द निर्णय लेंगे। ऐसे में आइए जानते हैं कि नेता प्रतिपक्ष बनाने के लिए 10% सांसद क्यों जरूरी, कितना ताकतवर होता है लोकसभा में विपक्ष का नेता, उसकी नियुक्ति के नियम, सैलरी, भत्ते और अधिकार क्या-क्या होते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव नतीजों ने राहुल गांधी को सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ खड़ा कर दिया है। हालाँकि राहुल को मोदी के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा गया। लेकिन विपक्षी दलों के इंडिया गुट के पीएम फेस को लेकर कुछ साफ नहीं किया था। मोदी के खिलाफ राहुल के जोरदार अभियान के बाद कांग्रेस ने चुनावों में 99 सीटें जीतीं और सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनकर उभरी, राहुल अब निर्विवाद रूप से सबसे बड़े विपक्षी नेता के रूप में उभरे हैं। अगर उन्हें एलओपी मिलता है तो उनके कद पर आधिकारिक मुहर लग जाएगी। सभी प्रतिभागी इस बात पर सहमत हुए कि राहुल को नेता प्रतिपक्ष का पद संभालना चाहिए। चुनाव के दौरान हमने बेरोजगारी, महंगाई, महिला समानता और सामाजिक न्याय के मुद्दे उठाए। वेणुगोपाल ने कहा कि इन मुद्दों को संसद के अंदर बड़े पैमाने पर उठाने की जरूरत है। संसद के अंदर इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए राहुल सबसे अच्छे व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर, मजबूत और अधिक सतर्क विपक्ष के लिए लोग संविधान की रक्षा करना चाहते हैं उन्हें राहुल के नेतृत्व में सुरक्षित महसूस करना चाहिए। सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने कहा कि हम सभी ने राहुल गांधी से विपक्ष के नेता बनने की अपील की है। वह एकमात्र व्यक्ति हैं जो प्रधानमंत्री का सामना कर सकते हैं। और जब राहुल गांधी खड़े होंगे, तो युवा देश सुरक्षित महसूस करेगा। 2014 में कांग्रेस ने न केवल सत्ता खो दी, बल्कि नेता प्रतिपक्ष का पद भी खो दिया। विपक्ष के नेता पद की कांग्रेस की मांग को लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने खारिज कर दिया। तब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन को पत्र लिखकर सदन में पार्टी के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा देने का अनुरोध किया था। सोनिया के पत्र के जवाब में स्पीकर ने कहा था कि लागू प्रावधानों और पिछले उदाहरणों पर विचार करने के बाद उनके अनुरोध को स्वीकार करना संभव नहीं है। मैंने नियमों और परंपराओं का अध्ययन करने और इस मुद्दे पर विशेषज्ञों की राय लेने के बाद निर्णय लिया है। ऐसा कहा गया कि एलओपी का दर्जा दिए जाने के लिए किसी भी विपक्षी दल के पास 55 (सीटें) से अधिक नहीं हैं। आज तक, नियम है कि एक पार्टी के पास सदन में न्यूनतम 10 प्रतिशत सीटें होनी चाहिए। कोई बदलाव नहीं आया है। कांग्रेस ने केवल 44 सीटें जीती थीं और वह सबसे बड़ी पार्टी थी। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि 1980 और 1984 में सदन में विपक्ष का कोई नेता नहीं था क्योंकि किसी भी दल के पास आवश्यक संख्याबल नहीं था। लोकसभा सचिवालय ने कार्यकर्ता को यह भी सूचित किया कि पहली, दूसरी, तीसरी, पांचवीं, छठी, सातवीं और आठवीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली है। 2019 में कांग्रेस फिर से एलओपी के लिए न्यूनतम 54 सीटों के आंकड़े से पीछे रह गई और उसे फिर से वह दर्जा नहीं दिया गया। हालाँकि, 2024 के चुनावों में कांग्रेस ने 99 सीटें जीती हैं और उसे एलओपी का दर्जा मिलेगा। 2014 में कांग्रेस की तरफ से लीडरशिप मल्लिकार्जुन खड़गे कर रहे थे, लेकिन वे नेता प्रतिपक्ष नहीं थे। इसी तरह 2019 में सबसे बड़ी पार्टी के नेता होने के नाते दूसरे विपक्षी दलों ने भी अधीर रंजन को समर्थन दिया, लेकिन मोदी सरकार ने कभी भी अधीर रंजन को प्रोटोकाल के तहत नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं दिया।

जम्मू-कश्मीर में नई चुनौतियां

नीरज कुमार दुबे

जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की ओर से आतंक को बढ़ावा दिये जाने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ एक बैठक कर केंद्र शासित प्रदेश के सुरक्षा हालात की समीक्षा की और आतंक रोधी क्षमताओं के पूर्ण इस्तेमाल का निर्देश दिया है। इसके बाद माना जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर में चप्पे चप्पे पर सुरक्षा के बंदोबस्त पहले की तरह दिखाई दे सकते हैं। इस बीच, कश्मीर में 'लिक्विड आईईडी' एक बड़े खतरे के रूप में सामने आता दिख रहा है जिससे सुरक्षा बलों की चिंता बढ़ गयी है। सुरक्षा बल इसलिए भी चिंतित हैं क्योंकि आतंकवादियों को स्थानीय स्तर पर पनाह और अन्य प्रकार का समर्थन मिल जा रहा है। इसके अलावा एक अन्य दिक्कत यह है कि सुरक्षा बल यदि गांव वालों से पूछताछ कर रहे हैं या संदिग्धों को हिरासत में ले रहे हैं तो विपक्ष इसे लोगों को परेशान करने की कवायद बताकर इसका विरोध कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में जल्द ही अमरनाथ यात्रा शुरू होनी है और अक्टूबर से पहले वहां राज्य विधानसभा के चुनाव भी कराये जाने हैं, ऐसे में सुरक्षा हालात को तत्काल दुरुस्त करना बेहद जरूरी हो गया है।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद वहां शांति स्थापित हुई लेकिन उस शांति में खलल डालने के प्रयास जब तब होते रहते हैं इसलिए माना जा रहा है कि मोदी सरकार राज्य के हालात को संभालने के लिए जल्द ही कोई बड़ा कदम उठा सकती है। जहां तक प्रधानमंत्री की ओर से की गयी बैठक की बात है तो आपको बता दें कि तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही एक बस पर हमले सहित जम्मू एवं कश्मीर में हाल के दिनों में हुई कई आतंकवादी घटनाओं के बाद गुरुवार को केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गयी और अधिकारियों को 'आतंकवाद रोधी क्षमताओं का पूर्ण इस्तेमाल' करने का निर्देश दिया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अन्य अधिकारी मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की गई और सुरक्षा बलों की तैनाती और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर चर्चा की गई। मोदी ने जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की और केंद्र शासित प्रदेश में स्थिति का जायजा लिया। उपराज्यपाल सिन्हा ने उन्हें स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। बैठक में प्रधानमंत्री को क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी स्थिति और वहां चलाए जा रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों से अवगत कराया गया।

इस बीच, जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन ने पाकिस्तान पर अपने भाड़े के सैनिकों के जरिये यहां का शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि भारतीय सेना दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए दृढ़ संकल्पित है। स्वैन ने दुश्मन एजेंटों को चेतावनी दी कि वे आतंकवाद का समर्थन करने के अपने फैसले पर पछताएंगे। उन्होंने यह भी कहा, ''उनके (ऐसे एजेंटों के) पास परिवार, जमीन और नौकरियां हैं, जबकि पाकिस्तानी आतंकवादियों के पास खोने के लिए कुछ नहीं है।'' डीजीपी ने रियासी जिले में संवाददाताओं से कहा, (जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का) प्रारंभिक बिंदु सीमा पार है। विरोधी पक्ष का स्पष्ट इरादा यह है कि यदि वे कश्मीर में शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने के लिए स्थानीय लोगों को विध्वंसक गतिविधियों के लिए प्रेरित नहीं कर सकते, तो पाकिस्तानियों को वहां भेजकर उनकी भर्ती करें और उन्हें जबरन इस दिशा में धकेलें।'' पुलिस प्रमुख ने कहा, ''दुश्मनों के एजेंट पैसे और नशीले पदार्थों के लिए ऐसा (विदेशी आतंकवादियों की मदद) कर रहे हैं। उनकी पहचान की जाएगी और उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। हम उन्हें चेतावनी देना चाहते हैं कि (विदेशी) आतंकवादी मारे जाएंगे... लेकिन जो लोग उनका समर्थन कर रहे हैं, उन्हें पछताना पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि विदेशी आतंकवादियों के पास कोई नहीं है, चाहे उनके बच्चे हों या नहीं। उन्होंने कहा, ''हमें नहीं पता कि वे जेलों से उठाकर किसे यहां भेज रहे हैं, लेकिन जो लोग उनका (आतंकवादियों का) यहां समर्थन कर रहे हैं, उनके पास यहां जमीन, बच्चे और नौकरियां हैं और उन्हें नुकसान उठाना होगा।'' स्वैन ने कहा कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर के बीहड़ इलाकों का इस्तेमाल करना चाहता है ताकि वह विदेशी आतंकवादियों को जंगलों में भेजकर शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ सके। उन्होंने कहा, ''यही सच है।''

हालांकि, उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल शांति बनाए रखने और जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित और वचनबद्ध हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा जवाब क्या होगा? हम छोटे नुकसान के लिए तैयार हैं, क्योंकि जब हम पर युद्ध थोपा जाता है और आतंकवादी हमें मारने या मरने के लिए हमारे सामने खड़े होते हैं, तो हम अपने सभी संसाधनों का इस्तेमाल करते हैं और हमारा प्रयास मुंहतोड़ जवाब देना होता है। चूंकि उनके पास परवाह करने वाला कोई नहीं है, इसलिए नुकसान पहुंचाने की उनकी शक्ति अधिक प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद ने 1995 में जम्मू क्षेत्र, खासकर डोडा और रामबन में अपने पैर पसारे, लेकिन 2005 तक यह पूरी तरह से खत्म हो गया। उन्होंने कहा, अगर हम इसी तरह की चुनौती का सामना करते हैं, तो निश्चिंत रहें कि हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब देने और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए उन्हें एक-एक करके मारने के लिए प्रतिबद्ध और वचनबद्ध हैं।

दूसरी ओर, कश्मीर में उभर रहे नये खतरे की बात करें तो आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के आंतकी परिदृश्य में तरल विस्फोटक 17 साल बाद फिर से वापसी करता दिख रहा है, क्योंकि हाल ही में पुलिस ने एक आतंकवादी ठिकाने पर छापेमारी में लिक्विड इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' बरामद किया है। एक अधिकारी ने बताया कि इस 'लिक्विड इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' का पता लगाना मुश्किल होता है और इसलिए इसे डिफिकल्ट टू डीकेटेक्ट (डी2डी) श्रेणी में रखा गया है। इस महीने की शुरुआत में पुलवामा में हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी कमांडर रियाज डार उर्फ सथार और उसका साथी रईस डार मारा गया था। इसके बाद पुलिस ने आतंकवादियों के एक 'ओवर ग्राउंड वर्कर' (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया था। इसी ओजीडब्ल्यू से तरल आईईडी बरामद हुआ है। हम आपको बता दें कि रियाज डार 2014 में प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा में शामिल हो गया था और उसने मारे गए पाकिस्तानी आतंकवादियों अबू दुजाना और अबू इस्माइल के साथ काम किया था। वह कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था। रियाज पर 10 लाख रुपये से अधिक का नकद इनाम घोषित था। वहीं, रईस डार पर पांच लाख रुपये का नकद इनाम घोषित था। पुलिस ने मुठभेड़ के तुरंत बाद लश्कर आतंकवादियों के लिए काम करने वाले ओजीडब्ल्यू के खिलाफ कार्रवाई की और उनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के दौरान एक ओजीडब्ल्यू ने बताया कि आतंकवादियों को पुलवामा के निहामा के रहने वाले बिलाल अहमद लोन, सज्जाद गनी और शाकिर बशीर ने पनाह और रसद प्रदान की थी। उन्होंने बताया कि इससे आतंकियों के ओजीडब्ल्यू नेटवर्क का खुलासा हुआ और इन तीनों को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान ओजीडब्ल्यू ने पुलिस को बताया कि लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों ने तरल आईईडी तैयार किया है। शाकिर बशीर ने उन्हें बागों में छिपा दिया था। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और सेना की टीम ने इसे बरामद किया। सेना के विस्फोटक विशेषज्ञों ने प्लास्टिक कंटेनर में रखे छह किलोग्राम तरल आईईडी को नष्ट करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि इसे एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा सकता है क्योंकि ऐसे विस्फोटकों को 'डी2डी' श्रेणी में रखा जा सकता है। हम आपको याद दिला दें कि दक्षिण कश्मीर में 2007 के दौरान आतंकवादी गुटों ने तरल विस्फोटकों का इस्तेमाल किया था, लेकिन इसके बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के दशक के दौरान ऐसा कुछ नहीं देखा गया। अधिकारियों ने कहा कि खुफिया जानकारी मिली है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह अब तरल विस्फोटकों का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने फरवरी, 2022 में जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी ड्रोन से फेंके हथियार और गोला-बारूद बरामद किये थे। बरामद किये गये विस्फोटकों में सफेद तरल की तीन बोतलें भी शामिल थीं। इन बोतलों को एक लीटर की बोतलों में पैक किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि फोरेंसिक जांच से पता चला है कि यह ट्राइनाइट्रो टॉलुईन (टीएनटी) या नाइट्रोग्लिसरीन हो सकता है, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर डायनामाइट में किया जाता है, लेकिन इस संबंध में अभी अंतिम रिपोर्ट नहीं आई है। अधिकारियों ने इस आशंका से इंकार नहीं किया कि इस तरह के विस्फोटक कश्मीर घाटी में पहुंचा दिये गये होंगे।

जहां तक जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा हालात को लेकर हो रही राजनीति की बात है तो आपको बता दें कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों के बाद लोगों की कथित गिरफ्तारी और परेशान करने को लेकर जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर बृहस्पतिवार को निशाना साधाते हुए कहा कि अगर सरकार आतंकवाद को खत्म करना चाहती है तो उसे स्थानीय लोगों को अपने साथ लेना होगा। अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, यह अक्षम जम्मू-कश्मीर प्रशासन सिर्फ लोगों को गिरफ्तार करना, हिरासत में लेना और परेशान करना जानता है। वे बार-बार एक ही गलती करते हैं और फिर भी अलग नतीजे की उम्मीद करते हैं। आतंकवाद को खत्म करने के लिए आपको स्थानीय लोगों को अपने साथ मिलाने की ज़रूरत है, न कि अलग-थलग और नाराज़ करने की।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

सुबालोपनिषद् (भाग-10)

गतांक से आगे...

नारायण ही धाता (धारण कर्त्ता), विधाता, कर्त्ता, विकर्ता (विशिष्ट रूप से रचना करने वाला) और एकमात्र दिव्य देव हैं।

आदित्य, रुद्र, वायु, वसु, अश्विनीकुमार, ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेदादि के मन्त्र, अग्नि और घृत की आहुति भी नारायण ही हैं। यही नारायण एक, दिव्य, देव और सभी के उत्पत्ति रूप हैं। जो पदार्थ त्वचा को प्राप्त होते हैं, वे त्वचा में ही विलीन हो जाते हैं। जो त्वचा, स्पर्शयितव्य के प्रति प्रकट होती है, वह स्पर्शयितव्य में ही अस्त हो जाती है। जो स्पर्शयितव्य, वायु को प्राप्त होता है, वह वायु में ही विलीन हो जाता है।

जो वायु मोघा के प्रति प्रकट होती है, वह मोघा नामक नाड़ी में ही विलीन हो जाती है। जो मोघा, समान के प्रति प्राप्त होती है, वह समान में ही अस्त हो जाती है। जो समान, विज्ञान को प्राप्त होती है, वह विज्ञान में ही अस्त हो जाती है। वह अमर, अभय, अशोक, अन्तरहित और बीजरहित ब्रह्म में विलीन हो जाता है।

जो पदार्थ वाक् को प्राप्त होते हैं, वे वाक् में ही अस्त होते हैं। जो वाक, वक्तव्य को प्राप्त होती है, वह वक्तव्य में ही अस्त होती है। जो वक्तव्य, अग्नि को प्राप्त होता है, वह अग्नि में ही विलीन हो जाता है। जो अग्नि, कुमारा नामक नाड़ी को प्राप्त होती है, वह कुमारा में ही विलीन हो जाती है। जो कुमारा, वैरम्भ को प्राप्त होती है, वह वैरम्भ में ही अस्त हो जाती है। जो वैरम्भ, विज्ञान को प्राप्त होता है, वह विज्ञान में ही अस्त होता है। वह विज्ञान अमर, भयरहित, शोकरहित, अन्तरहित और बीजरहित ब्रह्म में विलीन हो जाता है। (ऐसा कहने के पश्चात् उन घोराङ्गिरस ने पुनः कहना प्रारम्भ किया कि) जो हाथ को प्राप्त कर लेता है, वह हाथ में ही विलीन हो जाता है।

क्रमशः ...

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस

श्वेता

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस बुजुर्ग व्यक्तियों द्वारा सहन किए गए दुर्व्यवहार, भेदभाव और उपेक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 15 जून को मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिन वृद्ध वयस्कों के अधिकारों को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, समाज को उनकी उपस्थिति को महत्व देने और सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सामना किए गए दुर्व्यवहार, परित्याग और दुरुपयोग के विभिन्न रूपों पर ध्यान आकर्षित करना है, जबकि उनके कल्याण की रक्षा करने और उनकी गरिमा को बनाए रखने के महत्व पर भी जोर देना है।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाने का प्राथमिक महत्व वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने और समाज में समानता को बढ़ावा देने में निहित है। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस बुजुर्ग दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसका उद्देश्य वृद्ध व्यक्तियों द्वारा सामना किए जाने वाले सभी प्रकार के भेदभाव और उपेक्षा को खत्म करना है। यह समुदायों और संगठनों को इस तरह के दुरुपयोग से जुड़े नकारात्मक परिणामों के बारे में शिक्षित करता है।

यह दिन वृद्ध वयस्कों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए वकालत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। यह विधायी नीतियों की आवश्यकता को रेखांकित करता है जो बुजुर्गों के लिए गरिमा, सम्मान, सम्मान और स्वायत्तता के संरक्षण को सुनिश्चित करते हैं। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस सरकारों और अन्य संगठनों से बुजुर्गों के दुर्व्यवहार के दबाव के मुद्दे को संबोधित करने और समाज से इसे खत्म करने के उद्देश्य से ढांचे को मजबूत करने का आग्रह करता है।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस सरकारों, गैर सरकारी संगठनों, स्वास्थ्य पेशेवरों, हितधारकों और अन्य संस्थाओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है। लक्ष्य विश्व स्तर पर बुजुर्ग दुर्व्यवहार का मुकाबला करने के लिए मजबूत रणनीति विकसित करना और पीड़ितों को हर संभव तरीके से व्यापक सहायता प्रदान करना है।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस आधिकारिक तौर पर 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्थापित किया गया था। इस वार्षिक पालन का उद्देश्य बड़े दुर्व्यवहार के विभिन्न रूपों, जैसे वित्तीय, मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक दुर्व्यवहार के बारे में ध्यान आकर्षित करना और जागरूकता बढ़ाना है। यह दिन वृद्ध व्यक्तियों के खिलाफ दुर्व्यवहार के इन अमानवीय कृत्यों को संबोधित करने और रोकने के उद्देश्य से उपायों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

चीन के सामने कैसे टिक पाएगा ताइवान?

रहीस सिंह

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में बराबरी और निष्पक्षता एक मुख्य विषय हो सकता है लेकिन व्यावहारिकता में निष्पक्षता गौण होती है क्योंकि वहां शक्ति की महत्ता होती है। ऐसे उदाहरण प्रथम विश्वयुद्ध से पहले, दोनों विश्वयुद्धों के बीच में और शीत युद्ध काल में पर्याप्त संख्या में देखे जा सकते हैं। शीत युद्ध के बाद की दुनिया विशेषकर मध्यपूर्व, यूरेशिया, दक्षिण-पूर्व अथवा दक्षिण एशिया ऐसे असंतुलनों का शिकार रही है जिसके चलते संघर्ष अथवा युद्ध जैसी स्थितियां दिखीं। ये सभी क्षेत्र अमेरिका-यूरोप अथवा चीन के 'ग्रेट गेम्स' का शिकार रहे हैं जिसमें रूस, तुर्की, अरब, इजराइल, ईरान यहां तक कि यूक्रेन को भी अलग नहीं रखा जा सकता। भले ही ये सब 'बेनिफिट ऑफ डाउट' के कारण लाभ पाए हों, लेकिन इनकी भूमिका को दरकिनार नहीं किया जा सकता।

यदि वर्तमान परिदृश्य को देखें तो अमेरिका इस समय थकता हुआ नजर आ रहा है और चीन आड़ी-तिरछी चालें चलता हुआ। चीन एक आर्थिक शक्ति के साथ-साथ एक ऐसी सैन्य ताकत भी है जो प्रशांत क्षेत्र में व्यवस्थागत संतुलन को बिगाड़ सकता है। ऐसा हुआ तो इसका प्रभाव केवल प्रशांत क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रहेगा। बल्कि हिंद महासागर या उससे भी आगे भूमध्य सागर, कैस्पियन सागर और काला सागर तक भी जाएगा। चीन इस समय ताइवान को केंद्र में रखकर प्रशांत महासागर में कुछ ज्यादा ही सक्रिय होता दिख रहा है। इस सक्रियता का दायरा फिलीपींस, वियतनाम, थाइलैंड, ब्रुनेई आदि तक विस्तार ले सकता है।

इस समय अधिक सक्रिय होने का कारण ताइवान में लाई चिंग-ते का राष्ट्रपति चुना जाना है जिन्हें चीन पसंद नहीं करता। ध्यान रहे कि अभी हाल ही में चीन की ईस्टर्न थिएटर कमान ने ताइवान के इर्द-गिर्द एक सैन्य अभ्यास किया था जिसे उसके लिए चीन ने 'दंड' करार दिया है। अब सवाल यह उठता है कि चीन जिस तरह से ताइवान पर आंखें तरेरे हुए है। क्या वह यहीं तक सीमित रहेगा अथवा उसे किसी अंजाम तक ले जाएगा? एक सवाल यह भी है कि यदि भविष्य में कोई ऐसा युद्ध होता है तो एक महादानव (चीन) से एक 'बौना' (ताइवान) कैसे मुकाबला कर पाएगा? इस युद्ध अभ्यास में चीनी सेना ने उन इलाकों को प्रभावित किया है जो ताइवान के मुख्य द्वीप और चीन की सीमा के करीब द्वीपों के रूप में फैले हुए हैं। पहले ऐसा नहीं होता था। इससे यह प्रश्न पैदा होता है कि क्या चीन ताइवान को यह संदेश देना चाहता है कि उसने उसको एक राष्ट्र के अंदर एक राष्ट्र के रूप में जितनी स्वतंत्रता दी है, वह उतना ही स्वतंत्र है, उससे आगे वह नहीं जा सकता? लेकिन ताइवान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति लाई चिंग-ते तो ताइवान को लंबे समय से स्वतंत्र राष्ट्र मानते रहे हैं और यह चीन को स्वीकार नहीं है।

उन्होंने पद ग्रहण करने के पश्चात पहले ही भाषण में चीन से कहा था कि ताइवान को राजनीतिक व सैन्य तरीके से वह डराना-धमकाना बंद कर दे और रिपब्लिक ऑफ चाइना (ताइवान) के अस्तित्व की सच्चाई को स्वीकार करे। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि ताइवान अपने संविधान में दर्ज संप्रभुता का मालिक है और पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (चीन) तथा रिपब्लिक ऑफ चाइना (ताइवान) एक दूसरे के मातहत नहीं हैं। जवाब में चीन की तरफ से कहा गया कि राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ताइवान की आजादी हासिल करने को लेकर खतरनाक संकेत दे रहे हैं। चीन की तरफ से यह भी कहा गया कि उन्होंने ताइवान जलडमरूमध्य के आर-पार टकराव को उकसाने का कार्य किया है। लेकिन क्या वास्तव में ताइवान चीन को उकसा सकता है? और क्या चीन शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है जो ताइवान के कारण आक्रामक हो सकता है? सच तो यह है कि चीन इस समय दुनिया का सबसे अधिक आक्रामक देश है। चीन के इस युद्धाभ्यास का प्रमुख पक्ष यह नजर आता है कि चीन ताइवान पर अभी सीधा हमला नहीं करना चाहता लेकिन उसकी ऐसी नाकेबंदी चाहता है जो ताइवानी अर्थव्यवस्था को इस तरह बरबाद कर दे कि ताइवान एक 'डेड आईलैंड' में बदल जाए। उन स्थितियों में ताइवान संभवतः टकराव की मुद्रा में आए और चीन इसका फायदा उठाए।

चीन यही तो चाहता है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ताइवान को लेकर बहुत ही आक्रामक और संकीर्ण नजरिया रखते हैं। वे इसे लेकर किसी भी हद तक जा सकते हैं। ध्यान रहे कि 2023 फरवरी में सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने अमेरिकी कांग्रेस की हाउस ऑफ इंटेलिजेंस कमेटी को बताया था कि शी जिनपिंग ने चीनी सेना को आदेश दिया था कि वह 2027 तक ताइवान पर हमले की तैयारी करे।अब देखना यह है कि चीन किस तरह के कदम उठाता है? देखना तो यह भी है कि अमेरिका उसकी रणनीति को सफल होने देता है अथवा काउंटर स्ट्रैटेजी अपनाने में सफल होता है। वैसे अमेरिका दक्षिण चीन सागर और उसके आसपास के इलाकों में जिस तरह के युद्धाभ्यास कर रहा है, वे इन्हीं तैयारियों का हिस्सा माने जा सकते हैं लेकिन ये चीन की गतिविधियों को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

अमेरिका को यह मानकर चलना पड़ेगा कि शी जिनपिंग स्कूल टीचर नहीं हैं बल्कि वे दुनिया के सबसे ताकतवर तानाशाह हैं और उनका चीन एक साम्राज्यवादी मानसिकता वाला देश, जिसका सामना ताइवान अकेले नहीं कर सकता। चीन उद्दंड और आक्रामक हो चुका है। इसकी वजह उसकी अर्थव्यवस्था और विशाल सेना तो है ही। अमेरिका के अंदर 'पैन अमेरिकनिज्म' का टूटता हुआ तिलिस्म भी है। हालांकि ताइवान में एक बहुत बड़ा वर्ग है जो डर नहीं रहा है। वह यह मानता है कि ताइवान के लोग डर नहीं रहे हैं लेकिन दूसरा सच यह भी है कि वे चीन के खिलाफ अकेले खड़े भी नहीं हो सकते। उन्हें दुनिया का साथ चाहिए होगा। देखने वाली बात यह होगी कि अमेरिका सहित शेष दुनिया उनके साथ खड़ी हो पाएगी या नहीं।

आज का इतिहास

1907 हेग में दूसरी बार हेग शांति सम्मेलन आयोजित किया गया।
1908 एम्स्टर्डम में महिला अधिकारों के लिए विश्व कांग्रेस खोली गयी।
1919 लगभग 16 घंटे के बाद, विकर्स विमी पहली गैर-स्टॉप ट्रान्साटलांटिक उड़ान को पूरा करने के लिए, आयरलैंड के काउंटी गॉलवे में जॉन अलकॉकेंड आर्थर व्हीटन ब्राउन क्रैश से उतरा।
1920 तीन अफ्रीकी अमेरिकी सर्कस कार्यकर्ताओं को एक भीड़ द्वारा, मिनेसोटा में एक भीड़ द्वारा लूटा गया था, एक ऐसा अपराध जिसने देश को उत्तरी संयुक्त राज्य में जगह लेने के लिए झकझोर दिया था।
1926 विश्व न्यायालय ने द हेग शहर में अपना ग्यारहवे सत्र की शुरुआत की।
1944 सस्केचेवान आम चुनाव में, टॉमी डगलस के नेतृत्व वाले को-ऑपरेटिवकोमोनवेल्थ फेडरेशन ने उत्तरीअमेरिका में पहली समाजवादी सरकार बनाने के लिए लेजिस्लेटिव असेंबली में पर्याप्त सीटें जीतीं।
1951 न्यू मैक्सिको में, एरिज़ोना, कैलिफ़ोर्निया, ओरेगन, वाशिंगटन और ब्रिटिश कोलंबिया, आग में हजारों एकड़ वनों को नष्ट कर दिया।
1952 द डायरी ऑफ़ ए यंग गर्ल को प्रकाशित किया गया।
1954 यूरोपीय फुटबॉल संघों का संघ, यूरोपीय फुटबॉल के लिए शरीर को नियंत्रित करने वाला प्रशासन, बेसल, स्विट्जरलैंड में स्थापित किया गया था।
1954 स्विट्जरलैंड के बासेल शहर में यूरोप के फुटबॉल संगठन (यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबाल एसो.) का गठन हुआ।
1958 पिज़्ज़ा हट की स्थापना हुई।
1967 पहले व्यापक रूप से प्रचारित और भारी रूप से रॉक फेस्टिवल, मॉन्टेरी पॉप फेस्टिवल, मॉन्टेरी, कैलिफोर्निया में शुरू हुआ।
1971 ब्रिटेन की शिक्षा मंत्री मारग्रेट थैचर ने स्कूलों में मुक्त दूध देने की योजना खत्म करने का प्रस्ताव रखा।
1977 स्पेन में 1936 के बाद पहली बार स्वतंत्र चुनाव संपन्न हुये।

'इंडिया' की आंखों से भारत को मत देखिए!

प्रो. संजय द्विवेदी

आजकल राष्ट्रीयता, भारतीयता, राष्ट्रत्व और राष्ट्रवाद जैसे शब्द चर्चा और बहस के केंद्र में है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम भारतीयता पर एक नई दृष्टि से सोचें और जानें कि आखिर यह क्या है? 'राष्ट्र' सामान्य तौर पर सिर्फ भौगोलिक नहीं बल्कि 'भूगोल-संस्कृति-लोग' के तीन तत्वों से बनने वाली इकाई है। इन तीन तत्वों से बने राष्ट्र में आखिर सबसे महत्वपूर्ण तत्व कौन सा है? जाहिर तौर पर वह 'लोग' ही होगें। इसलिए लोगों की बेहतरी,भलाई, मानवता का स्पंदन ही किसी राष्ट्रीयता का सबसे प्रमुख तत्व होना चाहिए।

जब हम लोगों की बात करते हैं तो भौगोलिक इकाईयां टूटती हैं। अध्यात्म के नजरिए से पूरी दुनिया के मनुष्य एक हैं। सभी संत, आध्यात्मिक नेता और मनोवैज्ञानिक भी यह मानने हैं कि पूरी दुनिया पर मनुष्यता एक खास भावबोध से बंधी हुयी है। यही वैश्विक अचेतन (कलेक्टिव अनकांशेसनेस) हम-सबके एक होने का कारण है। स्वामी विवेकानंद इसी बात को कहते थे कि इस अर्थ में भारत एक जड़ भौगोलिक इकाई नहीं है। बल्कि वह एक चेतन भौगोलिक इकाई है, जो सीमाओं और सैन्य बलों पर ही केंद्रित नहीं है। भारतीय राष्ट्रवाद मनुष्य के विस्तार व विकास पर केंद्रित है। जिसे भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' कहकर संबोधित किया। यह 'वसुधैव कुटुम्बकम्' राजनीतिक सत्ता का उच्चार नहीं है। उपनिषद् का उच्चार है। सारी दुनिया के लोग एक परिवार, एक कुटुम्ब के हैं, इसे समझना ही दरअसल भारतबोध को समझना है। यह भाव ही मनुष्य की सांस्कृतिक एकता के विस्तार का प्रतीक है। हमारे सांस्कृतिक मूल्य, मानवतावादी सांस्कृतिक मूल्यों पर केंद्रित हैं। हमारी भारतीय अवधारणा में राज्य निर्मित भौगोलिक-प्रशासनिक इकाईयां प्रमुख स्थान नहीं रखतीं बल्कि हमारी चेतना, संस्कृति, मूल्य आधारित जीवन और परंपराएं ही यहां हमें राष्ट्र बनाती हैं। हमारे सांस्कृतिक इतिहास की ओर देखें तो आर्यावर्त की सीमाएं कहां से कहां तक विस्तृत हैं, जबकि सच यह है कि इस पूरे भूगोल पर राज्य बहुत से थे, राजा अनेक थे- किंतु हमारा सांस्कृतिक अवचेतन हमें एक राष्ट्र का अनुभव करता था। एक ऐतिहासिक सत्य यह भी यह है कि हमारा राष्ट्रीयता दरअसल राज्य संचालित नहीं था, वह समाज और बौद्धिक चेतना से संपन्न संतों, ऋषियों द्वारा संचालित थी। एक विद्वान कहते हैं राजा राज्य बनाते हैं, राष्ट्र ऋषि बनाते हैं। वही भारतबोध इस व्यापक भूगोल की चेतना में समाया हुआ था। यहां का ज्ञान विस्तार जिस तरह चारों दिशाओं में हुआ,वह बात हैरत में डालती है।

आप देखें तो भगवान बुद्ध पूरी दुनिया में अपने संदेश को यूं ही नहीं फैला पाए, बल्कि उस ज्ञान में एक ऐसा नवाचार,नवचेतन था, जिसे दुनिया ने स्वत: आगे बढ़कर ग्रहण किया। भारत कई मायनों में अध्यात्म और चेतना की भूमि है। सच कहें तो दुनिया की तमाम स्थितियों से भारत एक अलग स्थिति इसलिए पाता है, क्योंकि यह भूमि संतों के लिए, ज्ञानियों के लिए उर्वर भूमि है। दुनिया के तमाम विचारों की सांस्कृतिक चेतना जड़वादी है, जबकि भारत की चेतना जैविक है। इसलिए भारत मरता नहीं है, क्योंकि वह जड़वादी और हठवादी नहीं है। यहां का मनुष्य सांस्कृतिक एकता के लिए तो खड़ा होता है पर विचारों में जड़ता आते ही उससे अलग हो जाता है। हमारा ईश्वर आंतरिक उन्नयन और पाप क्षय के लिए काम करता है। हमारे संत भी आध्यात्मिक उन्नयन और पापों के क्षय के लिए काम करते हैं। मनुष्य की चेतना का आत्मिक विस्तार ही हमारी राष्ट्रीयता का

लक्ष्य है। इसलिए यह सिर्फ एक खास भूगोल, एक खास विचारधारा और पूजा पध्दति में बंधे लोगों के उद्धार के लिए नहीं, बल्कि समूची मानवता की मुक्ति के काम करने वाला विचार है। यहां मानव की मुक्ति ही उसका लक्ष्य है। यह राष्ट्रीयता सैन्यबल और व्यापार बल से चालित नहीं है, बल्कि यह चेतना के विस्तार, उसके व्यापक भावबोध और मनुष्य मात्र की मुक्ति के विचार से अनुप्राणित है।

भारतीय संदर्भ में भारतबोध को समझना वास्तव में मानवतावाद के व्यापक परिप्रेक्ष्य को समझना है। यह विचार कहता है- संतों को सीकरी से क्या काम और फिर कहता है ' 'कोई नृप होय हमें क्या हानि। इस मायने में हम राज या राज्य पर निर्भर रहने वाले समाज नहीं थे। राजा या राज्य एक व्यवस्था थी, किंतु जीवन मुक्त था- मूल्यों पर आधारित था। पूरी सांस्कृतिक परंपरा में समाज ज्यादा ताकतवर था और स्वाभिमान के साथ उदार मानवतावाद और एकात्म मानवदर्शन पर आधारित जीवन जीता था। वह चीजों को खंड-खंड करके देखने का अभ्यासी नहीं था। इसलिए इस राष्ट्रीयता में जो समाज बना, वह राजा केंद्रित नहीं, संस्कृति केंद्रित समाज था। जिसे अपने होने-जीने की शर्तें पता थीं, उसे उसके कर्तव्य ज्ञात थे। उसे राज्य की सीमाएं भी पता थीं और अपनी मुक्ति के मार्ग भी पता थे। इस समाज में गुणता की स्पर्धा थी- इसलिए वह एक सुखी और संपन्न समाज था। इस समाज में भी बाजार था, किंतु समाज- बाजार के मूल्यों पर आधारित नहीं था। आनंद की सरिता पूरे समाज में बहती थी और आध्यात्मिकता के मूल्य जीवन में रसपगे थे। भारतीय समाज जीवन अपनी सहिष्णुता के नाते समरसता के मूल्यों का पोषक है। इसीलिए तमाम धाराएं,विचार,वाद और पंथ इस देश की हवा-मिट्टी में आए और अपना पुर्नअविष्कार किया, नया रूप लिया और एकमेक हो गए। भारतीयता हमारे राष्ट्र का अनिवार्य तत्व है। भारतीयता के माने ही है स्वीकार। दूसरों को स्वीकार करना और उन्हें अपनों सा प्यार देना। यह राष्ट्रवाद विविधता को साधने वाला, बहुलता को आदर देने वाला और समाज को सुख देने वाला है। इसी नाते भारत का विचार आक्रामकता का, आक्रमण का, हिंसा या अधिनायकवाद का विचार नहीं है। यह श्रेष्ठता को आदर देने वाली,विद्वानों और त्यागी जनों को पूजने वाली संस्कृति है। अपने लोक तत्वों को आदर देना ही यहां भारतबोध है। इसलिए यहां भूगोल का विस्तार नहीं, मनों और दिलों को जीतने की संस्कृति जगह पाती है।

यहां शांति है, सुख है, आनंद है और वैभव है। यह देकर, छोड़कर और त्याग कर मुक्त होती है। समेटना यहां ज्ञान को है। संपत्ति, जमीन और वैभव को नहीं। इसलिए फकीरी यहां आदर पाती है और सत्ताएं लांछन पाती हैं। इसलिए यहां लोकसत्ता का भी मानवतावादी होना जरूरी है। यहां सत्ता विचारों से, कार्यों से और आचरण से लोकमानस का विचार करती है तो ही सम्मानित होती है। वैसे भी भारतीय समाज एक सत्ता निरपेक्ष समाज है। वह सत्ताओं की परवाह न करने वाला स्वाभिमानी समाज है। इसलिए उसने जीवन की एक अलग शैली विकसित की है, जो उसके भारतबोध ने उसे दी है। यही स्वाभिमान एक नागरिक का भी है और राष्ट्र का भी। इसलिए वह अपने अध्यात्म के पास जाता है, अपने लोक के पास जाता है और सत्ता या राज्य के चमकीले स्वप्न उसे रास नहीं आते। इसी राष्ट्र तत्व को खोजते हुए राजपुत्र सत्ता को छोड़कर वनों, जंगलों में जाते रहे हैं, ज्ञान की खोज में,सत्य की खोज में, लोक के साथ सातत्य और संवाद के लिए। राम हों, कृष्ण हों, शिव हों, बुद्ध हों, महावीर हों- सब राजपुत्र हैं, संपन्न हैं और सब राज के साथ समाज को भी साधते हैं और अपनी सार्थकता साबित करते हैं। इसलिए हमारी राष्ट्रीयता की अलग कथा है, उसे पश्चिमी पैमानों से नापना गलत होगा। आज इस वक्त जब भारतीयता की अनाप-शनाप व्याख्या हो रही है, हमें ठहरकर सोचना होगा कि क्या सच में हममें अपने राष्ट्र की थोड़ी भी समझ बची है? भारत को इंडिया की आंखों से देखने से हमें वही दिखाई देगा, जो सत्य से बहुत दूर होगा। आइए हम भारत की आंखों से ही भारत को देखने का अभ्यास करें।

बाकी मुख्यमंत्रियों के लिए प्रेरणा हैं चंद्रबाबू नायडू

विवेक शुक्ला

क्या इसे संयोग माना जाए कि चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को चौथी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ विजयवाड़ा के आईटी पार्क में आयोजित एक समारोह में ली? उन्हें अपने प्रदेश को आईटी हब बनाने का श्रेय जाता है। उनके शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री जे.पी। नड्डा के साथ-साथ कई अन्य नेता शामिल रहे। चंद्रबाबू नायडू जब दिल्ली से दूर शपथ ले रहे थे, तब राजधानी के आंध्र भवन में काम करने वाले एक अधिकारी बता रहे थे कि वे (नायडू) जब भी दिल्ली आते हैं, तो वे बड़े उद्योगपतियों से अवश्य मिलते हैं। उनसे गुजारिश करते हैं कि वे उनके प्रदेश में निवेश करें।नायडू पहली बार लगभग तीन दशक पहले 1995 में अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। जब उन्होंने अपने ससुर एनटी रामाराव को सत्ता से बेदखल कर दिया था। नायडू ने अपनी इमेज एक उद्योग-समर्थक और प्रौद्योगिकी-समर्थक वाले नेता की बनाई है। उन्होंने हैदराबाद को आईटी हब के रूप में स्थापित करने में दिन-रात मेहनत की। अपने राज्य का पहली बार मुख्यमंत्री बनने के बाद वे माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स से मिले। उस मुलाकात के बाद हैदराबाद की किस्मत खुल गई थी। वहां दुनिया भर की चोटी की आईटी कंपनियों ने अरबों रुपए का निवेश किया। एक इंटरव्यू में नायडू ने बिल गेट्स से हुई मुलाकात की जानकारी दी थी। गेट्स किसी काम के लिए राजधानी में थे। नायडू की तरफ से अमेरिकी एंबेसी के अधिकारियों से गुजारिश की गई कि उनकी (नायडू की) गेट्स से मुलाकात करवा दी जाए। उन्हें बताया गया कि गेट्स बहुत व्यस्त हैं, और अगर वे सच में उनसे मिलने को इच्छुक हैं तो वे शाम को एंबेसी के रुजवेल्ट हाउस में आयोजित पार्टी में शामिल हो जाएं। वहां गेट्स मिलेंगे। अमेरिकी राजदूत के एंबेसी परिसर में आवास को रुजवेल्ट हाउस कहा जाता है। यहां राजदूत गणमान्य हस्तियों को भोज पर बुलाते हैं। वहां तय समय पर नायडू पहुंच गए गेट्स से मिलने। वहां दोनों मिले। नायडू ने एक लैपटॉप के माध्यम से गेट्स को प्रजेंटेशन दिया। इस तरह से प्रजेंटेशन देने वाले नायडू भारत के पहले नेता थे। यह सब देखकर गेट्स काफी प्रभावित हुए। इसके बाद हैदराबाद में माइक्रोसॉफ्ट का विकास केंद्र स्थापित हुआ। उसके बाद तो हैदराबाद और आंध्र प्रदेश में दर्जनों आईटी कंपनियों ने तगड़ा निवेश किया। नायडू और गेट्स के बीच मुलाकात 20 मिनट के लिए तय थी, लेकिन गेट्स ने उनके साथ 40 मिनट बिताए। नायडू ने कहा कि गेट्स ने उस मुलाकात में उनसे कहा था कि जब भी माइक्रोसॉफ्ट अपने केंद्र को अमेरिका के बाहर खोलना चाहेगा, तो वे नायडू के अनुरोध पर विचार करेंगे। माइक्रोसॉफ्ट ने न केवल हैदराबाद में अपना विकास केंद्र खोला, बल्कि हैदराबाद के रहने वाले सत्या नडेला को माइक्रोसॉफ्ट का सीईओ भी बनाया।

पांडियन का पराभव, जिसमें दृष्टिगत हैं परोक्ष वापसी की संभावनाएं

शिव शरण शुक्ला

मोहन चरण माझी ने ओडिशा में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, लेकिन इन चुनावों में चर्चाओं में रहे आईएएस अफसर से नेता बने वीके पांडियन की अविश्वसनीय कहानी की मिसाल भारतीय राजनीति में पहले शायद ही कभी देखी गई होगी। राजनीति में इतना छोटा कॅरिअर भी शायद ही किसी और नेता का होगा। नौकरी से इस्तीफा देने के बाद 27 नवंबर, 2023 को उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति में प्रवेश किया और ओडिशा के तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) में शामिल हुए। लेकिन चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद नौ जून को उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का एलान कर डाला। उनका राजनीतिक जीवन सिर्फ 195 दिनों का रहा।

सन 2000 में आईएएस बनने के बाद वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए। अपनी मेहनत और लीक से हटकर काम करने की असाधारण क्षमता के कारण उन्होंने खूब प्रशंसा बटोरी। पहले मयूरभंज, फिर गंजाम जिले के कलेक्टर के रूप में उनके द्वारा किए गए अच्छे कामों को लोग आज भी याद करते हैं। दोनों ही जिलों में कामों के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत भी किया गया। उनके काम से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने उन्हें सन 2011 में अपना निजी सचिव बनाया।

2019 में लगातार पांचवीं बार चुनाव जीतने के बाद नवीन पटनायक ने सरकार को अधिक लोकाभिमुखी करने के लिए 5टी (टीमवर्क, टेक्नोलॉजी, ट्रांसपेरेंसी, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमलाइन) नामक एक नया विभाग खोला और पांडियन को इसका सचिव बना दिया। इसके बाद सरकार में पांडियन का दबदबा और भी बढ़ गया। पांडियन के नौकरी से इस्तीफा देने के बाद उन्हें इस विभाग का अध्यक्ष बना दिया गया, ताकि सरकार में उनकी पकड़ बनी रहे। और 2019 के चुनाव के बाद नवीन ने अपने निवास से बाहर निकलना लगभग बंद कर दिया और दल व सरकार दोनों का पूरा जिम्मा पांडियन को सौंप दिया।

अब पांडियन की महत्वाकांक्षा बढ़ने लगी और वह राज्य सरकार के चॉपर का इस्तेमाल कर पूरे राज्य का दौरा करने लगे। बहाना था कि लोगों से उनकी शिकायतें लेकर तत्काल कार्रवाई करना। बाद में पता चला कि पांडियन राजनीति में प्रवेश करने के लिए अपनी जमीन तैयार कर रहे थे। वह जहां भी गए पूरा स्थानीय प्रशासन, स्थानीय नेता, विधायक और मंत्री उनकी सेवा करते हुए नजर आए। मंच पर पांडियन के अलावा कोई भी देखने को नहीं मिला। साफ था कि उनकी ताजपोशी की तैयारी चल रही थी। इस बात की जमकर चर्चा हुई कि वह नवीन के उत्तराधिकारी हैं। नवीन ने ऐसी चर्चाओं का खंडन करने की कोशिश भी नहीं की, जिससे ओडिशा के लोगों में यह धारणा और भी पुख्ता होती गई कि नवीन ने पांडियन को अपना उत्तराधिकारी बनाने का मन बना लिया है। इस धारणा को तब और बल मिला, जब पांडियन ने औपचारिक रूप से बीजद में योगदान किया। इस वर्ष मार्च में जब बीजद और भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी, तब बीजद की ओर से पांडियन ही इसके सूत्रधर थे।

प्रेक्षकों का मानना था कि भाजपा से गठबंधन कर वह अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करना चाहते थे, क्योंकि उन्हें पता था कि नवीन के डर से पार्टी के जो नेता चुप बैठे हैं, वे नवीन के बाद उनके खिलाफ बगावत पर उतर आएंगे, तब उन्हें भाजपा के समर्थन की जरूरत होगी। हालांकि बात बनी नहीं और भाजपा ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। इस बार चुनाव का पूरा मोर्चा पांडियन ने संभाला। उम्मीदवारों के चयन से लेकर रणनीति तैयार करने और आर्थिक संसाधन के उपयोग से लेकर मीडिया कैंपेन तक लगभग सब कुछ उन्हीं की देखरेख में हुआ। करीब डेढ़ महीने के चुनाव प्रचार के दौरान मंच पर अकेले पांडियन ही प्रचार करते नजर आए। मुख्यमंत्री और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक बीच-बीच में उनके साथ प्रचार के लिए जाते रहे, लेकिन पार्टी के 40 'स्टार प्रचारकों' में से 38 पूरे चुनाव के दौरान नदारद रहे। और पार्टी को इसी बात का खामियाजा भुगतना पड़ा। भाजपा ने भी एक सोची-समझी रणनीति के तहत 'ओड़िया अस्मिता' को अपना मुख्य चुनावी मुद्दा बनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी भाजपा नेता हर आमसभा में इसी बात को दोहराते रहे कि नवीन साढ़े चार करोड़ ओड़िया लोगों की अस्मिता को पैरों तले रौंदते हुए तमिलनाडु में जन्मे एक आदमी को ओडिशा के लोगों पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। और भाजपा की यह रणनीति काम कर गई।

राज्य में चौथे और अंतिम चरण के मतदान से ठीक पहले नवीन ने एक साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि पांडियन उनके उत्तराधिकारी नहीं हैं, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। चुनाव में हार के बाद अब तक सहमे हुए पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अब पांडियन को हार का जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ खुलकर नारेबाजी करने लगे हैं। चुनाव खत्म होने तक हर जगह दिखाई देने वाले पांडियन परिणाम आने के बाद से कहीं नजर नहीं आ रहे। इसके बावजूद नवीन ने पांडियन को चुनाव में हार के लिए जिम्मेदार ठहराने या उनकी निंदा करने से साफ इन्कार कर दिया है। इसके उलट उन्होंने पांडियन की जमकर प्रशंसा की है और उनके खिलाफ हो रही बयानबाजी को अनुचित बताया है। नवीन के इसी आचरण और उच्चारण के कारण राजनीति से संन्यास लेने की पांडियन की घोषणा के बाद भी बहुत कम लोग यह मानने के लिए तैयार हैं कि अब राजनीति में कभी उनकी वापसी नहीं होगी। ज्यादातर प्रेक्षक मानते हैं कि पार्टी में उनके खिलाफ फैले आक्रोश के मद्देनजर यह एक 'टैक्टिकल रिट्रीट' भर है और मामला ठंडा होने पर प्रत्यक्ष नहीं, तो परोक्ष रूप से उनकी वापसी की पूरी संभावना है।

मोदी ने एक बार फिर आलोचकों को गलत साबित किया

हरीश गुप्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अपने आलोचकों को गलत साबित कर दिया। उन्होंने चुनाव में भाजपा की करारी हार के बाद जबरदस्त लचीलापन दिखाया। उन्होंने 'मोदी सरकार' के नारे को खारिज करने में कोई देरी नहीं की और बार-बार इस बात पर जोर दिया कि यह एनडीए की सरकार है और यह एक नए युग की शुरुआत करेगी। जो लोग उन पर 'महत्वाकांक्षी' होने और सहयोगियों को साथ लेकर चलने में असमर्थ होने का आरोप लगा रहे थे, वे 4 जून की शाम को उस समय मुंह छिपाते नजर आए, जब मोदी ने पार्टी मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। जब कार्यकर्ता 'मोदी सरकार जिंदाबाद' के नारे लगा रहे थे, तब उन्होंने बार-बार कहा कि यह एनडीए की जीत है और देश को 'सर्वसम्मति' से चलाने की बात दोहराते रहे। संयोग से, मोदी ने अपने 10 साल के शासन के दौरान एक बार भी यह शब्द नहीं बोला। लेकिन उन्होंने बदले हुए राजनीतिक माहौल में खुद को ढालने की जबरदस्त तत्परता दिखाई।

निश्चित रूप से, यह राजनीति विज्ञान के छात्रों के लिए एक सबक है। हालांकि मोदी के लिए सबसे बड़ी चुनौती गठबंधन सरकार चलाना होगी, क्योंकि अतीत में भाजपा और उसके गठबंधन सहयोगियों के बीच विश्वास की कमी रही है। मोदी अकेले ही काम करते रहे हैं और यह भावना बनी हुई है कि एक बार जब वे जम जाएंगे तो शायद वैसा ही व्यवहार न करें, जैसा एनडीए सरकार गठन प्रक्रिया के दौरान सहयोगियों के साथ किया।

यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि मोदी कोई पी.वी। नरसिंह राव नहीं हैं, जिन्होंने 1991-96 के दौरान अनेक संकटों के बीच 240 कांग्रेस सांसदों के साथ गठबंधन सरकार चलाई थी। मोदी कोई अटल बिहारी वाजपेयी भी नहीं हैं, जो 1999 में लोकसभा में अपने एक वोट से गिरिधर गमांग को अपनी सरकार को गिराने देंगे। गमांग अभी-अभी ओडिशा के मुख्यमंत्री बने थे और उन्होंने अपनी लोकसभा सीट नहीं छोड़ी थी, जब कांग्रेस ने वाजपेयी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

लाया था, जो 182 भाजपा सांसदों के साथ गठबंधन सरकार चला रहे थे।

गमांग विश्वास प्रस्ताव में अपना वोट देने के पात्र थे और उनके एक वोट से वाजपेयी सरकार गिर गई। मोदी चौबीसों घंटे काम करने वाले एक सक्रिय प्रधानमंत्री हैं और उनके अनुसार उनकी छठी इंद्रिय बहुत मजबूत है और यह दैवीय शक्ति उन्हें बिना समय गंवाए रणनीति बदलने में सक्षम बनाती है। जिस तरह से उन्होंने अगस्त 2015 में भूमि अधिग्रहण अध्यादेश को दो बार जारी करने के बाद उसे डम्प कर दिया, उससे उनके कई कट्टर अनुयायी भी हैरान रह गए थे। नवंबर 2021 में जनता के मूड को भांपते हुए उन्होंने तीन कृषि कानूनों को वापस लेकर यही लचीलापन दिखाया था। इसलिए, कम-से-कम महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में आगामी तीन विधानसभा चुनाव जीतने तक उनके तीसरे कार्यकाल में टकराव का रास्ता अपनाने की संभावना नहीं है। एकमात्र त्रासदी यह है कि भाजपा आलाकमान ने एक के बाद एक मजबूत राज्य नेताओं को हटा दिया और अपनी पसंद के मुख्यमंत्री नियुक्त किए। सभी प्रकार के तत्वों को प्रवेश देने की भाजपा की 'खुले दरवाजे' की नीति ने पार्टी तंत्र को कमजोर कर दिया। भाजपा ने 'अलग तरह की पार्टी' होने की अपनी छवि खो दी।

भाजपा नेतृत्व को अपने मातृ संगठन आरएसएस का विश्वास भी फिर से हासिल करना होगा। आखिरी चरण का वोट डाले जाने से पहले ही, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 19 मई, 2024 को विवादास्पद रूप से घोषणा की कि भाजपा सक्षम हो गई है और इसके परिणामस्वरूप, वह अब आरएसएस पर निर्भर नहीं है। इस बयान से खलबली मच गई और भाजपा अब आरएसएस को मनाने में जुटी है।

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में पार्टी को मिली करारी हार के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हटाए जाने का दावा करने वाले भाजपा नेताओं की कमी नहीं है। भाजपा ने 2019 में जीती गई 62 सीटों में 2024 में वृद्धि करने के बजाय लगभग आधी सीटें खो दीं। भाजपा को 33 सीटें मिलीं, जो समाजवादी पार्टी से चार कम हैं। इस करारी हार का ठीकरा योगी आदित्यनाथ के सिर फोड़ा जा रहा है। पराजय के बाद लखनऊ में योगी द्वारा बुलाई गई कैबिनेट बैठक में दो उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की अनुपस्थिति इस बात का संकेत है कि उम्मीद से पहले ही पूरी तरह से जंग छिड़ सकती है। ऐसी चर्चा है कि योगी की जगह ऐसे नेता को लाने की तैयारी की जा रही है, जो 'कमंडल' की राजनीति में कम आक्रामक हो और 'मंडल' से पहचाना जाता हो। लेकिन कोई भी निश्चित नहीं है कि बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों में आलाकमान का हुक्म चलेगा या नहीं। कोई भी निश्चित नहीं है कि आरएसएस योगी को हटाने पर सहमत होगा या नहीं, क्योंकि इससे उसका अपना हिंदुत्व एजेंडा कमजोर पड़ जाएगा।

योगी के समर्थक कह रहे हैं कि यूपी में एक भी लोकसभा टिकट उन्होंने नहीं दिया और सभी उम्मीदवार हाईकमान ने चुने। योगी के आलोचक सुनील बंसल जो ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के प्रभारी थे, उन्हें यूपी में लोकसभा चुनाव की देखरेख के लिए वापस यूपी लाया गया। योगी ने प्रचार कार्यक्रम के संबंध में हाईकमान के हर निर्देश का पालन किया और रणनीति बनाने में भी उनकी कोई भूमिका नहीं थी। इसलिए उन्हें बलि का बकरा नहीं बनाया जाना चाहिए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सार्वजनिक रूप से बार-बार मोदी के पैर छूकर राजनीतिक हलचल मचा दी है। यह अपनी तरह का पहला मामला है, क्योंकि नीतीश खुद एक बड़े नेता हैं। इसके पीछे का रहस्य कोई नहीं जान पाया है। इसमें कोई शक नहीं कि वे डिमेंशिया से पीड़ित हैं। लेकिन अगर उन्हें डिमेंशिया है तो उन्होंने मोदी को ही क्यों चुना?

तमिलनाडु से भाजपा निराश या भविष्य के लिए नई उम्मीद?

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों में इस बार दक्षिणी राज्यों खासकर तमिलनाडु और केरल में काफी चुनाव प्रचार किया था। यही नहीं, चुनावों से पहले भी वह जिस तरह लगातार इन राज्यों का दौरा कर रहे थे उसके चलते भाजपा आलाकमान को विश्वास था कि इस बार दक्षिण में भी खूब कमल खिलेंगे। लेकिन ऐसा हो नहीं सका। हालांकि केरल में त्रिशूर सीट जीत कर भाजपा ने पहली बार अपना खाता खोल लिया लेकिन तमिलनाडु में वह इस बार भी खाली हाथ ही रही। तमिलनाडु में भाजपा का जो हश्र हुआ है उसके चलते अब पार्टी में अंदरूनी घमासान भी देखने को मिल रहा है। वैसे चुनावों के समय ही यह दिख रहा था कि वहां द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन ही सबसे आगे है लेकिन भाजपा के इतने बुरे हाल की कल्पना किसी ने नहीं की थी।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने जब राज्यव्यापी यात्रा निकाली थी तो उनको भारी जन समर्थन मिला था। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैलियों में भी खूब भीड़ उमड़ रही थी। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में कई रोड़ शो भी किये जिसमें उमड़ा जनसैलाब भाजपा की उम्मीदों को लगातार बढ़ा रहा था। भाजपा ने इस बार चुनावों में अपने कई दिग्गजों को उतार दिया था और उन्होंने जिस मेहनत के साथ चुनाव प्रचार किया उससे लग रहा था कि भाजपा चार या पांच सीटों पर जीत सकती है। लेकिन परिणाम भाजपा के लिए बेहद निराशाजनक रहे। हम आपको बता दें कि एक लोकसभा सीट नागापट्टिनम में तो भाजपा चौथे स्थान पर जा पहुँची। साथ ही भाजपा जिन 23 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी उसमें से उसने 11 पर अपनी जमानत गंवा दी। यही नहीं, भाजपा के सहयोगी दलों- आईजेके, पीएमके, तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) और एएमएमके ने भी दस सीटों पर जपनी जमानत गंवा दी। यह परिणाम दर्शाता है कि भाजपा और उसके गठबंधन दलों का सारा चुनाव प्रचार हवा-हवाई ही था, जमीन पर कुछ था ही नहीं। चुनाव परिणामों के बाद सवाल उठ रहा है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन तोड़ना और अकेले चुनाव लड़ने का फैसला कहीं गलत तो नहीं था? इस सवाल को लेकर प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि अन्नामलाई ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को गुमराह किया। इन नेताओं का कहना है कि अगर अन्नाद्रमुक के साथ चुनाव लड़े होते तो स्थिति कुछ और होती। इन नेताओं का कहना है कि यदि अन्नाद्रमुक साथ होती तो तमिलनाडु में भाजपा का उभार होता तथा भाजपा के पास इस दक्षिणी राज्य से भी लोकसभा सीटें होतीं जिनकी आज बेहद जरूरत है। इन नेताओं का कहना है कि अन्नाद्रमुक से संबंध तोड़ने का फैसला हमारे लिये घातक सिद्ध हुआ है। भाजपा प्रदेश बौद्धिक प्रकोष्ठ के प्रमुख कल्याण रमन ने तो एक्स पर पोस्ट करके अन्नामलाई पर सीधा-सीधा आरोप भी लगा दिया है कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व को सही बात नहीं बताई। उनका यह भी कहना है कि भाजपा ने चुनाव का संचालन भी ठीक से नहीं किया और पार्टी का वार रूम सिर्फ अन्नामलाई के इर्दगिर्द माहौल बनाने में लगा हुआ था। दूसरी ओर, अन्नामलाई की बात करें तो वह लोकसभा चुनाव परिणाम के बारे में यह तो मान रहे हैं कि भाजपा को उम्मीद के मुताबिक मत नहीं मिले लेकिन वह यह भी कह रहे हैं कि अन्नाद्रमुक को राज्य की जनता ने खारिज कर दिया है। उन्होंने 2026 में तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के दौरान भी अन्नाद्रमुक से किसी प्रकार के गठबंधन की संभावना को खारिज कर दिया है। वह कह रहे हैं कि हमसे जहां गलतियां हुईं उसकी समीक्षा की जायेगी और यह देखा जायेगा कि पार्टी को कैसे नये सिरे से खड़ा किया जा सकता है। वह अब भी इस बात के पक्षधर हैं कि भाजपा को राज्य में अपने बलबूते ही पैरों पर खड़ा होना चाहिए। हम आपको याद दिला दें कि तमाम एग्जिट पोलों ने भविष्यवाणी की थी कि भाजपा राज्य में कम से कम 2-3 सीटें जीतकर तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में प्रवेश करेगी। लेकिन चुनाव परिणामों ने दर्शाया है कि द्रविड़ राजनीति वाले राज्य में लोकसभा सीट जीतने का भाजपा का इंतजार और लंबा हो गया है। भाजपा ने पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई के जरिये तमिलनाडु में अपना आधार बढ़ाने की जो रणनीति बनाई थी वह कामयाब नहीं हो पाई है।

पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट में दिखेंगी बेहद प्यारी, हर कोई देखता रह जाएगा

फैशन के इस बदलते दौर में हर रोज कोई न कोई फैशन ट्रेंड करता है। वहीं सलवार-सूट एक ऐसा आउटफिट है, जो आप रोजाना से लेकर हर पार्टी व फंक्शन में पहनते हैं। आजकल मार्केट में रेडीमेड से लेकर सूट के फैब्रिक को खरीदकर खुद कस्टमाइज लुक दे सकती हैं। वहीं फैशन के इस बदलते दौर में कई बार हम सेलिब्रिटीज के लुक्स को री-क्रिएट करते हैं। आजकल पंजाबी स्टाइल सलवार-कमीज को काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट के कुछ लेटेस्ट डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप स्टाइल कर अपने लुक को परफेक्ट बना सकते हैं।

गोल घेरे वाला सूट

आपको कई अनारकली और कलीदार सूट के डिजाइन गोल घेरे में आसानी से मिल जाएंगे। गर्मियों में इस तरह के लाइट वेट प्लेन या प्रिंटेड फैब्रिक से बने सूट कैरी कर सकती हैं। इस सूट के साथ हैवी झुमकी पहनकर अपने लुक को कंप्लीट करें। गोल घेरे वाले सूट के साथ आप गोटा-पट्टी लेस वाले दुपट्टे को स्टाइल करें।

पटियाला स्टाइल सलवार-सूट

पंजाब में यह सलवार सूट सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। पटियाला स्टाइल सलवार-सूट के साथ आप फुलकारी दुपट्टे को कैरी कर सकती हैं। इस तरह के सलवार के साथ आप शॉर्ट स्टाइल सूट की कमीज बनवाएं और हैवी लुक पाने के लिए घेरे पर चौड़े डिजाइन की लेस लगवा सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ आप गुरकाबी स्टाइल जूती पहनकर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

चौड़े घेरे वाला सूट

आप अपने लुक को अच्छा बनाने के लिए चौड़े घेरे वाले सूट के साथ आप सलवार या पैन्ट्स को कैरी कर सकती हैं। क्योंकि कई बार हम शॉर्ट कमीज पहनने में कंफर्ट महसूस नहीं करते हैं। ऐसे में यह डिजाइन आपके लिए बेस्ट रहेगा। इसके साथ ही आप हैवी वर्क वाला दुपट्टा कैरी कर सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ आप एंकल लेंथ वाली पैंट्स कैरी कर सकती हैं। यह आपको मॉर्डन टच देने का काम करेगा।

पार्टी या फंक्शन के लिए प्री-ड्रेप साड़ी को ऐसे करें कैरी, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

फैशन इंडस्ट्री हर रोज कोई न कोई नया फैशन ट्रेंड करता है। फैशन डिजाइनर्स आजकल सबसे ज्यादा साड़ी के साथ प्रयोग कर रहे हैं। पहले साड़ी 6 मीटर की आती थी, लेकिन अब साड़ी में कई तरह की वैरायटी देखने को मिल जाएंगी। इतनी वैरायटी देखकर साड़ी का चुनाव करना मुश्किल हो जाएगी। आज के समय में सबसे ज्यादा प्री-ड्रेप साड़ी का ट्रेंड देखने को मिल रहा है। ऐसे में आने वाले समय में अगर आपको किसी पार्टी या फंक्शन में जाना है, तो आप भी प्री-ड्रेप साड़ी कैरी कर सकती हैं। आपको मार्केट में इस तरह की साड़ी आसानी से मिल जाएगी। आपको इस तरह की साड़ी में कई वेरायटी देखने को मिलेंगी। अगर आपके वार्डरोब में साड़ी है, तो किसी हुनरमंद दर्जी से आप प्री-ड्रेप साड़ी स्टिच करवा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सेलिब्रिटीज के कुछ प्री-ड्रेस साड़ी लुक्स दिखाने जा रहे हैं, जो आप किसी भी छोटे या बड़े अवसर पर पहन सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा का साड़ी लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने प्री-ड्रेप साड़ी पहनी है। आजकल स्लिट कट प्री-ड्रेप साड़ी काफी चलन में है। यह आपको इंडो-वेस्टर्न लुक देती है। ऐसी साड़ी को आप किसी पुरानी साड़ी से भी स्टिच करा सकती हैं। आप इसके साथ कोई स्टाइलिश और ट्रेंडी ज्वेलरी पहन सकती हैं।

करीना कपूर का साड़ी लुक

बता दें कि इस समय प्री-ड्रेप साड़ी में अब 2 पीस साड़ी भी काफी ट्रेंड में है।

वैसे तो साउथ इंडिया में 2 पीस साड़ी का प्रचलन है। फैशन परस्त महिलाओं में इसका क्रेज खूब देखा जा रहा है। वहीं इस तरह की साड़ी फैशन डिजाइनर्स भी बनाने लगे हैं। मार्केट में इस तरह की साड़ी काफी वैरायटी में मिल जाएंगी। इस तरह की साड़ी में स्टाइलिश सा ब्रालेट ब्लाउज या ट्यूब ब्लाउज कैरी कर सकती हैं।

माधुरी दीक्षित का साड़ी लुक

बॉलीवुड की धकधक गर्ल माधुरी दीक्षित प्री-ड्रेप रफल साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। यह फैशन नया नहीं है। हालांकि इसके साथ नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। पार्टी या फंक्शन में आप बहुत आसानी से इस तरह की साड़ी को कैरी कर सकती हैं। इस साड़ी में आपको बहुत प्यारा लुक मिलेगा। वहीं डी-अटैच पल्ले वाली साड़ी भी काफी पसंद की जा रही हैं। एक्ट्रेस ने भी ऐसी साड़ी कैरी की है।

मलाइका अरोड़ा का साड़ी लुक

आज के समय में आपको साड़ी और ब्लाउज दोनों में कई तरह की वैरायटी, डिजाइन और पैटर्न देखने को मिलेगा। ऐसा ही एक रीरी ब्लाउज और एक्स साड़ी है। इस साड़ी और ब्लाउज को एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने बहुत अच्छे से कैरी किया है। यह साड़ी आजकल फैशन में है। इस साड़ी को साटन फैब्रिक से तैयार किया गया है और इसमें फ्रिंज पल्लू इसको यूनिक लुक दे रहा है। इस तरह ही साड़ी मार्केट में आपको अच्छे ब्रांड में मिलेगी। इसके साथ आप टर्टिल नेकलाइन या ब्रालेट ब्लाउज कैरी कर सकती हैं।

शिल्पा शेट्टी का साड़ी लुक

आजकल साड़ियों के अलग-अलग पैटर्न को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। जैसे एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने काई साई को बेहद खूबसूरत तरीके से कैरी किया है। इसमें फ्रंट प्लेट्स ड्रेपिंग की जगह साइड प्लेट्स ड्रेपिंग है। साथ ही इस साड़ी को साइड स्लिट अंदाज दिया गया है और पल्लू को वेस्ट लाइन से जोड़ा गया है। आपको इस तरह की साड़ी मार्केट में आसानी से मिल जाएंगी। इस तरह की साड़ी के साथ आप स्ट्रैप ब्लाउज या क्रॉप टॉप ब?लाउज कैरी कर सकती हैं।

बालों की सुंदरता के लिए गर्मियों में लगाएं अनार के ये हेयर मास्क, हेयर्स होंगे मजबूत

गर्मियों में स्किन के साथ-साथ बालों की केयर करना भी बहुत जरुरी है। गर्मी में आमतौर पर बाल डैमेज होने के साथ कई बार पसीने के कारण हेयरफॉल भी काफी बढ़ जाता हैं। गर्मी में लोग इस तरह की समस्या को दूर करने के लिए महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स यूज करते हैं। लेकिन कई बार इन प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल करने से बालों को नुकसान होने के साथ कई बार मन मुताबिक परिणाम भी नहीं मिलता हैं। वहीं, आप इस भीषण गर्मी में बालों की केयर के लिए अनार से बने ये हेयर पैक लगा सकते हैं। अनार में पाएं जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट्स बालों को मजबूत बनाने के लिए साथ स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता हैं। अनार के हेयर पैक लगाने से बालों की शाइन बढ़ाने के साथ बाल मजबूत होंगे। आइए जानते हैं गर्मी में बालों की केयर करने के लिए अनार के हेयर पैक कैसे बनाएं।

अनार और दही का हेयर पैक

सामग्री

- 7 से 8 चम्मच - अनार
- 2 चम्मच - दही

बनाने का तरीका

- सबसे पहले आप सभी चीजों को ब्लेंडर में चलाकर हल्का सा चलाएं।
- अब इस मिश्रण को बालों और स्कैल्प पर 20 मिनट के लिए लगाएं।
- इसके बाद बालों को पानी से वॉश करें। ये हेयर पैक बालों को पोषण देने के साथ स्कैल्प को हेल्दी रखता है।

अनार और शहद का हेयर पैक

सामग्री

- 1 चम्मच - शहद
- 4 से 5 चम्मच - अनार का रस

बनाने का तरीका

- अनार और शहद का हेयर पैक बनाने के लिए सभी चीजों को मिलाकर मिश्रण तैयार करें।
- अब इस मिश्रण को बालों पर अच्छे से लगा लें। यह हेयर मास्क बालों को ड्राई बनाने से रोकता है और हेयरफॉल भी रोकता हैं। ये हेयर पैक बालों में शाइन भी लाता है।

अनार और जैतून के तेल का हेयर पैक

सामग्री

- 1/4 कप- अनार का रस
- 1 चम्मच - जैतून का तेल
  - 1/2 कप पानी

बनाने का तरीका

- इसे बनाने के लिए सभी चीजों का अच्छे से मिला लें।
- अब इस मिश्रण को बालों पर लगाकर 20 मिनट के लिए रखें।
- उसके बाद बालों को पानी से वॉश करें। ये हेयर पैक बालों को अंदरुनी रुप से पोषण देता है और ग्रोथ को भी बढ़ाता है।

फ्रिजी बालों से ना हों परेशान, घर पर बनाएं ये हेयर जेल

गर्मी के मौसम में हमें बालों की कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनमें से रूखे व फ्रिजी हेयर की समस्या बेहद आम है। गर्मी के मौसम में जब ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, तो बालों का मॉइश्चर कहीं खोने लगता है और वे रूखे व फ्रिजी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, जब इस मौसम में बाल चिपचिपे हो जाते हैं तो ऐसे में हम उन्हें बार-बार धोते हैं। ओवरवॉशिंग के कारण भी बालों का नेचुरल ऑयल कहीं खो जाता है और वे रूखे व बेजान नजर आने लगते हैं।

अमूमन यह देखने में आता है कि जब गर्मी में बाल फ्रिजी होने लगते हैं तो हम तरह-तरह के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं। जबकि आपको बालों को नेचुरल तरीके से पैम्पर करना चाहिए। रूखे व फ्रिजी हेयर को मैनेज करने के लिए आप घर पर ही हेयर जेल बनाकर उसका इस्तेमाल करें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको रूखे व फ्रिजी हेयर के लिए हेयर जेल बनाने के बारे में बता रहे हैं-

एलोवेरा से बनाएं हेयर जेल

एलोवेरा अपने हाइड्रेटिंग गुणों के लिए जाना जाता है, इसलिए यह रूखे बालों को नमी प्रदान करता है। जब आप इससे हेयर जेल बनाते हैं तो यह बालों को स्टाइल करने के साथ-साथ रूखेपन को कम करता है।

आवश्यक सामग्री

- एलोवेरा का पत्ता
- एक कप पानी
- एक नींबू

हेयर जेल बनाने का तरीका

- सबसे पहले एलोवेरा का पत्ता तोड़ लें और उसका जेल निकाल लें।
- अब एक कप पानी उबालें और उसमें एलोवेरा जेल के साथ-साथ एक नींबू का रस भी मिक्स करें।
- मिश्रण के गाढ़ा होने तक इसे 5 से 10 मिनट तक उबालें और फिर ठंडा होने दें।

चिया सीड्स की मदद से बनाएं जेल

चिया सीड्स में कई तरह विटामिन और मिनरल होते हैं जो बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, कैस्टर ऑयल एक प्राकृतिक कंडीशनर की तरह काम करता है और रूखे बालों को नमी प्रदान करता है।

आवश्यक सामग्री–

- एक कप चिया सीड्स
- चार कप डिस्टिल्ड वॉटर
- दो बड़े चम्मच कैस्टर ऑयल
- विटामिन ई ऑयल की 10 बूंदें
- लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की 10 बूंदें

जेल बनाने का तरीका–

- सबसे पहले एक पैन लें और उसमें डिस्टिल्ड वॉटर के साथ चिया सीड्स मिलाएं।
- अब इसे पैन को कवर कर दें और मिश्रण को रात भर ऐसे ही रहने दें।
- अब पैन को 10 से 15 मिनट तक गर्म करें।
- मिश्रण को हिलाएं और छलनी से छान लें।
- इसमें से चिया सीड को निकाल दें।

- अब आप विटामिन ई ऑयल, लैवेंडर एसेंशियल ऑयल और कैस्टर ऑयल डालें और उन्हें मिलाएं।

- मिश्रण को ठंडा होने दें और फिर इसे स्टेरलाइज़ किए गए कंटेनर में डालें।

मिताली जैन

चिलचिलाती धूप से काले पड़ रहे हैं हाथ तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

गर्मी के इस मौसम में तेज धूप से हर कोई काफी परेशान रहता है। लोग कोशिश करते हैं, कि वो धूप में बाहर न निकलें, लेकिन किसी न किसी वजह से उन्हें बाहर जाना ही पड़ता है। जिस प्रकार से तेज धूप से शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है, ठीक उसी प्रकार से त्वचा पर तेज धूप पड़ने से टैनिंग की समस्या सामने आने लगती है। इस मौसम में चेहरे के बाद सबसे ज्यादा टैनिंग हाथों पर होती है।

चाहे आप हाथों को कितना भी कवर करके रख लें, लेकिन धूप का असर इस तक पहुंच ही जाता है। वैसे तो टैनिंग से बचने के लिए आपको बाजार में कई प्रकार से टैन रिमूवल क्रीम आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप घरेलू नुस्खों में ज्यादा भरोसा करते हैं, तो इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताएंगे, जिनके इस्तेमाल से आपको हाथों की टैनिंग से छुटकारा मिलेगा।

दही और हल्दी

दही और हल्दी में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को कई परेशानियों से काफी राहत दिलाते हैं। ऐसे में आप टैनिंग की परेशानी को दूर करने के लिए दही और हल्दी के पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको कुछ ही समय में राहत मिल जाएगी।

एलोवेरा

इस चिलचिलाती गर्मी में एलोवेरा शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करता है। इसके साथ ही ये शरीर की टैनिंग हटाने का काम भी करता है। अगर आप हर रोज एलोवेरा को रात में सोने से पहने हाथों में लगाएंगे, तो आपको टैनिंग से जरूर राहत मिलेगी।

दही और टमाटर

टमाटर में पाए जाने तत्व त्वचा को एक्सफोलिएट करते हैं। ऐसे में आधे टमाटर को लेकर उसपर दही लें और फिर इससे हाथों का स्क्रब करें। इससे भी आपको टैनिंग से छुटकारा मिलेगा। ये काफी फायदेमंद रहता है।

कच्चा दूध

शरीर के लिए लाभदायक दूध आपकी त्वचा को भी कई परेशानियों से बचा सकता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस कच्चे दूध में हल्दी और नींबू मिलाकर इसका पेस्ट तैयार करना है। इस पेस्ट को टैनिंग प्रभावित त्वचा पर लगाएं। इससे आपको कुछ ही समय में राहत मिलेगी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव में जेडीयू देगी भाजपा का साथ

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि वे 26 जून को होने वाले चुनाव से पहले एनडीए सरकार में अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा नामित व्यक्ति का समर्थन करेंगे। लोकसभा स्पीकर को लेकर जेडीयू प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि टीडीपी और जेडीयू एनडीए के साथ हैं। हम बीजेपी द्वारा (स्पीकर के लिए) नामित किए गए व्यक्ति का समर्थन करेंगे। जदयू नेता केसी त्यागी ने विपक्ष के यह कहने पर कि भाजपा नेता को लोकसभा अध्यक्ष नहीं बनाया जाना चाहिए, कहा, अध्यक्ष हमेशा सत्तारूढ़ दल का होता है क्योंकि (गठबंधन दलों के बीच) उसकी संख्या भी सबसे अधिक होती है। लोकसभा 26 जून को अपने नए अध्यक्ष का चुनाव करेगी। 18वीं लोकसभा की पहली बैठक 24 जून को होगी और सत्र 3 जुलाई को समाप्त होगा।

दिल्ली में होगी जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

पटना। जनता दल यूनाईटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 29 जून को होने वाली है। यह बैठक दिल्ली में होगी। इसमें सीएम नीतीश कुमार समेत पार्टी के सभी दिग्गज नेता शामिल होंगे। इसके लिए जदयू ने तैयारी शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव के बाद यह पहली बैठक होगी। सूत्रों की मानें तो जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता नीतीश कुमार करेंगे। बैठक में लोकसभा चुनाव के रिजल्ट पर भी चर्चा होगी। इस बार जदयू ने 16 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे और 12 सीटें जीती है। इसके अलावा दो साल बाद जदयू की केंद्रीय मंत्रिमंडल में इंट्री हुई है। सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। 12 लोकसभा सीटें जीतकर जदयू राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में तीसरा सबसे बड़ा दल बन गया। जदयू की ओर से इनके दो सांसद इस बार मोदी कैबिनेट के सदस्य हैं। ललन सिंह को केंद्रीय मंत्री और रामनाथ ठाकुर को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया गया है।

केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई 19 को

नईदिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई शुक्रवार को 19 जून के लिए निर्धारित कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मुकेश कुमार ने मामले में जवाब दाखिल करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा और समय दिये जाने के अनुरोध के बाद सुनवाई को स्थगित कर दिया। इस बीच न्यायाधीश ने केजरीवाल की ओर से दाखिल एक अर्जी पर सुनवाई शनिवार के लिए निर्धारित कर दी। अर्जी में केजरीवाल की स्वास्थ्य स्थिति और उपचार का निर्धारण करने के लिए गठित मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही में उनकी पत्नी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। न्यायाधीश ने संबंधित जेल अधिकारियों को मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

विधानसभा उपचुनाव के लिए टीएमसी ने चार प्रत्याशी उतारे

कोलकाता। देश में लोकसभा चुनाव के बाद अब कई राज्यों में विधानसभा उपचुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने विधानसभा उपचुनाव की तारीख का भी ऐलान कर दिया है, 10 जुलाई को 7 राज्यों के 13 विधानसभा उपचुनाव के मतदान होंगे। इस विधानसभा उपचुनाव में पश्चिम बंगाल की भी चार विधानसभा सीटें शामिल हैं। इसमें रायगंज, रानाघाट-दक्षिण, मनिकतला और बागदाह विधानसभा सीट शामिल हैं। जिन पर उपचुनाव कराए जाएंगे। ममता बनर्जी की पार्टी ने रायगंज विधानसभा सीट से उपचुनाव के लिए कृष्णा कल्यानी को प्रत्याशी बनाया है। वहीं रानाघाट-दक्षिण विधानसभा सीट पर मुकुटमणि अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। जबकि मतुआ बाहुल्य बागदाह विधानसभा सीट से मधुपूर्णा ठाकुर को टिकट दिया है। इस कड़ी में टीएमसी ने मनिकतला विधानसभा सीट से पूर्व टीएमसी विधायक साधन पांडे की पत्नी सुप्ति पांडे को उम्मीदवार बनाया है।

दिल्ली में जल संकट पर बांसुरी स्वराज का आप पर निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने आप सरकार पर शहर में जल संकट का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने वर्तमान स्थिति को, जहां कई क्षेत्र जल संकट से जूझ रहे हैं, प्राकृतिक कारकों का परिणाम नहीं, बल्कि दिल्ली सरकार की निष्क्रियता का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि आईएमडी द्वारा जारी चेतावनियों के बावजूद आप सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दावा किया कि इसने दोषपूर्ण लाइनों की मरम्मत नहीं की, जिसके कारण लाखों लीटर पानी बर्बाद हो गया। स्वराज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि अफसोस की बात है कि दिल्ली में पानी की चोरी और बर्बादी रोकने में नाकाम रही केजरीवाल सरकार ने अपनी गलतियों से पैदा हुई समस्या को पानी की कमी का संकट बताकर इसका दोष पड़ोसी राज्यों पर मढ़ने की कोशिश की और मामले को अदालत में भी ले गई।

मोदी 3.0 : यह अल्पमत की सरकार, कभी भी गिर सकती है: खड़गे

नईदिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार को लेकर बड़ा दावा किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्श्स्न्द्व 3.0 को अल्पमत की सरकार बताया है। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए गलती से एनडीए की सरकार बन गयी है। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अल्पमत सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। हम चाहेंगे कि ये चलता रहे, ये देश के लिए अच्छा हो, हम मिल कर देश को मजबूत करने के लिए काम करें।

खड़गे ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री को जो कुछ अच्छा चल रहा है उसे चलने नहीं देने की आदत है। लेकिन हम देश को मजबूत करने की दिशा में सहयोग करेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि

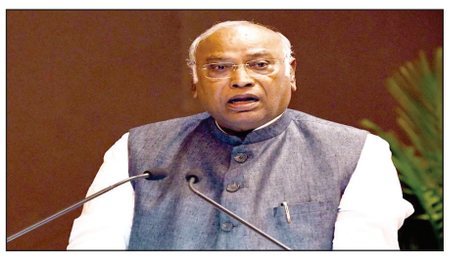

लोकसभा चुनाव में देश ने ऐसा जवाब दिया कि मोदी सरकार को दूसरों के घरों से कुर्सियां उधार लेकर अपना सत्ता का घर संभालना पड़ रहा है। 17 जुलाई 2020 को प्रधानमंत्री जी ने देश को मोदी की गारंटी दी थी कि 2022 तक हर भारतीय के सिर पर छत होगी। ये गारंटी तो खोखली निकली !

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अब 3 करोड़ पीएम आवास देने का ढिंढोरा ऐसे पीट रहे हैं, जैसे पिछली गारंटी पूरी कर ली हो! उन्होंने आरोप लगाया, ''मोदी जी की आवास योजना में 49 लाख शहरी आवास यानी 60 प्रतिशत घरों का अधिकतर पैसा जनता ने अपनी जेब से भरा।'' उनके मुताबिक, ''एक सरकारी सामान्य शहरी घर औसतन 6.5 लाख रुपये का बनता है, उसमें केंद्र सरकार केवल 1.5 लाख रू देती है। इसमें 40 प्रतिशत योगदान राज्यों और नगरपालिका का भी होता है। बाक़ी के बोझ का ठीकरा जनता के सिर पर फूटता है। वो भी क़रीब 60 प्रतिशत का बोझ। ऐसा संसदीय समिति ने कहा है।''

खरगे का कहना था, ''समाचार पत्रों से पता चला है कि मोदी जी ने वाराणसी में जो ''सांसद आदर्श ग्राम योजना'' के तहत आठ गांवों को विकसित करने के लिए गोद लिया था वहां ग़रीबों के पास, ख़ासकर दलित व पिछड़े समाज को अब तक पक्के घर नहीं मिले। अगर कुछ घर हैं तो भी उनमें पानी नहीं पहुंचा, नल तक नहीं है।'' उन्होंने दावा किया, ''मोदी जी द्वारा गोद लिया गया पहला गांव जयापुर है। वहां कई दलितों के पास घर और चालू शौचालय नहीं हैं। नागेपुर गांव में भी स्थिति ऐसी ही है और इसके अलावा, सड़कें भी खराब स्थिति में हैं। परमपुर में पूरे गांव में नल लगे हैं लेकिन उन नलों में पानी नहीं है। पूरे गांव में पिछले दो महीनों से पानी की आपूर्ति नहीं थी। वहां कई दलित और यादव समाज के लोग कच्चे घरों में रहते हैं।''

जेपी नड्डा ने अधिकारियों के साथ 100 दिनों के सरकार के एजेंडे पर किया मंथन

नई दिल्ली। नई सरकार बनने के बाद महत्वपूर्ण विभागों में तुरंत उठाए जाने वाले कदमों के लिए 100 दिन के एजेंडे के शीघ्र क्रियान्वयन पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का पदभार संभालने के बाद अधिकारियों से बातचीत की। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को पहले 100 दिनों के एजेंडे पर पूरी गंभीरता के साथ काम करने को कहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जेपी नड्डा ने 100 दिन के एजेंडे पर अधिकारियों के साथ बैठक में चर्चा की। बता दें, एजेंडे में राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा विनिमय, तंबाकू के इस्तेमाल के खिलाफ विशेष अभियान, एनसीडी के खिलाफ एक राष्ट्रीय अभियान, बच्चों के लिए टीकाकरण के पंजीकरण के लिए आरोग्य मैत्री क्यूब्स, भीष्म, यू-विन पोर्टल को शुरू करना शामिल है। इससे पहले हुई बैठक में आयुष्मान योजना पर चर्चा हुई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय इस समय देश में कई बड़ी योजनाओं को लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। साथ ही आयुष्मान योजना का दायरा बढ़ाने की भी तैयारी है।

लोकसभा का पहला सत्र हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण

■ **साथ मिलकर काम करेंगे : किरेन रिजिजू**

नईदिल्ली। 18वीं लोकसभा सत्र पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम 18वीं लोकसभा की शुरुआत सकारात्मक तरीके से करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहला सत्र जो कि 18वीं लोकसभा का विशेष सत्र है, तय हो चुका है और राष्ट्रपति मुर्मू ने 24 जून को सदन शुरू करने के लिए बुलाया है। उन्होंने कहा कि अब जो महत्वपूर्ण है वह यह है कि पहले सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाती है और लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होता है और फिर संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति का अभिभाषण होता है। यह हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है कि चुनाव के बाद हम पहली बार एक साथ आ रहे हैं, मेरी सभी सदस्यों से, सभी राजनीतिक दलों से अपील है कि हम एक साथ मिलकर टीम इंडिया के रूप में काम करें।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरे लिए, संसदीय कार्य मंत्री के रूप में, मुझे सभी

राजनीतिक दलों के साथ समन्वय करना होगा, सदन प्रबंधन और राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष के मार्गदर्शन और प्रधान मंत्री के मार्गदर्शन के साथ, हम करेंगे। उन्होंने कहा कि समन्वित तरीके से बहुत एकजुटता से काम करें। मेरे लिए, विपक्षी दलों और सत्तारूढ़ दल के बीच कोई अंतर नहीं है, हम देश की सेवा के लिए हैं। एनडीए को देश के मामलों को चलाने का जनादेश दिया गया है और विपक्षी गुट को विपक्षी दलों के रूप में काम करने और प्रदर्शन करने का जनादेश दिया गया है। इसलिए हमारी भूमिकाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। हम साथ मिलकर काम करेंगे। देश संसद में बहुत अच्छी बहस और चर्चा के माध्यम से एक जीवंत लोकतंत्र देखना चाहता है।

सत्र के पहले तीन दिन में नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे तथा लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। संसद के दोनों सदनों की अगली बैठक जुलाई के तीसरे सप्ताह में बुलाई जा सकती है जिसमें केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा। इसी के साथ निर्मला सीतारमण लगातार सात केंद्रीय बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी। आगामी बजट के साथ वह मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगी। देसाई ने लगातार छह बजट पेश किए थे। समझा जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद संसद में अपनी मंत्रिपरिषद के सदस्यों का परिचय देंगे। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की कोशिश की जा सकती है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मिलेंगे योगी

चुनाव नतीजों के बाद होगी यह पहली मुलाकात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15 जून को आरएसएस प्रशिक्षण सत्र में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात करेंगे। 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद दोनों के बीच यह पहली मुलाकात होगी। आगामी बैठक भागवत के उस बयान के कुछ दिनों बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि एक सच्चा %सेवक% अहंकारी नहीं होता है और गरिमा बनाए रखते हुए लोगों की सेवा करता है। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद उनकी पहली टिप्पणी के हिस्से के रूप में, जिसने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को रिकॉर्ड तीसरा कार्यकाल दिया, लेकिन कम जनादेश के साथ।

भाजपा के वैचारिक गुरु, आरएसएस के प्रमुख के शब्द इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आक्रामक चुनाव अभियान के बावजूद पार्टी एनडीए के महत्वाकांक्षी %400 पार% आह्वान से काफी पीछे रह गई। पार्टी 272 के बहुमत

के आंकड़े तक पहुंचने में भी विफल रही - उसने 543 लोकसभा सीटों में से 240 सीटें जीतीं - क्योंकि एक सक्रिय इंडिया गुट ने मोदी लहर को रोक दिया। केंद्र में गठबंधन सरकार बनाने के लिए भाजपा ने टीडीपी के एन चंद्रबाबू नायडू और जेडी (यू) के नीतीश कुमार सहित एनडीए सहयोगियों पर भरोसा किया।

कल की बैठक के दौरान, आदित्यनाथ और भागवत के बीच लोकसभा चुनाव, उत्तर प्रदेश में आरएसएस के विस्तार और हित के अन्य मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। लोकसभा चुनावों में, भाजपा को उत्तर प्रदेश में आश्चर्यजनक झटका लगा, और केवल 33 सीटें ही जीत पाईं, जो 2019 में मिली 62 सीटों से कम है। कांग्रेस-समाजवादी पार्टी गठबंधन ने 43 सीटें जीतीं। इससे पहले, भागवत ने चिउटाहा क्षेत्र के एसवीएम पब्लिक स्कूल में चल रहे संघ कार्यकर्ता विकास वर्ग शिविर में स्वयंसेवकों को संबोधित किया, जहां 3 जून से एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 280 स्वयंसेवी कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

कनाडा के खिलाफ भारत का मुकाबला आज

लॉडरहिल। भारत टी20 विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप ए मैच में शनिवार को यहां जब कनाडा से भिड़ेगा तो स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पिछले कुछ मैचों में कम स्कोर उसके लिए चिंता की बात होंगे। टीम को साथ ही उम्मीद होगी कि मुकाबले में बारिश का खलल नहीं पड़ेगा क्योंकि फ्लोरिडा के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। तीन मैच में तीन जीत के साथ भारत पहले ही सुपर आठ चरण में जगह बना चुका है जिसके सभी मुकाबले वेस्टइंडीज में होंगे।

भारतीय टीम न्यूयॉर्क से 1850 किमी की यात्रा करके फ्लोरिडा पहुंची है और उम्मीद है कि शहर बदलने के साथ कोहली को भाग्य भी बदलेगा। ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम की पिच से गेंदबाजों को शायद न्यूयॉर्क जितनी मदद नहीं मिले जहां की पिच पर असमान उछाल था और धीमा आउटफील्ड के कारण क्रिकेट से अधिक मैदान और पिच की चर्चा हो रही थी। कोहली के ऊपर से हालांकि इस तथ्य से दबाव कुछ कम होगा कि उनके खराब प्रदर्शन का असर टीम के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा है।

कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज कर रहे कोहली के जल्दी आउट होने से हालांकि टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल रही और बाद में आने वाले बल्लेबाजों पर दबाव बन रहा है। ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव जैसे बल्लेबाज हालांकि कोहली के खराब प्रदर्शन की भरपाई करने में काफी हद तक सफल रहे हैं। पंत ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ क्रमश: 36 और 42 रन की पारियां खेलकर इन दोनों मैच में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट में खराब शुरुआत से उबरते हुए अमेरिका के खिलाफ महत्वपूर्ण अर्धशतक जड़ा। शिवम दुबे ने भी सह मेजबान के खिलाफ 35 गेंद में 31 रन बनाए जिससे संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल पर उन्हें एक बार फिर तरजीह मिलने की उम्मीद है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 77,000 के करीब पर बंद, निफ्टी 67 अंक बढ़ा

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार तीसरी कारोबारी सेशन में तेजी दर्ज की गई और बाजार चढ़कर बंद हुआ। निवेशकों को उम्मीद है कि नई सरकार की तरफ पूंजीगत खर्च जारी रखा जाएगा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज बढ़त के साथ 76,912.38 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 77,081.30 अंक के लेवल तक चला गया था। अंत में सेंसेक्स 0.24 प्रतिशत या 181.87 अंक की बढ़त लेकर 76,992.77 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.29 फीसदी या 66.70 अंक की वृद्धि के साथ 23,465.60 अंक पर बंद हुआ। इंट्रा-डे कारोबार में यह 91.5 अंक या 0.39 प्रतिशत बढ़कर 23,490.40 के नए रिकॉर्ड लेवल पर भी पहुंच गया था। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 28 कंपनियों के शेयर हरे जबकि 22 के शेयर लाल निशान में बंद हुए।

आम आदमी का दम निकाल रहे आलू-प्याज के दाम

नईदिल्ली। आलू-प्याज और सब्जियों के दाम आम आदमी को सांस नहीं लेने दे रहे हैं। इनकी कीमतें लोगों का दम निकाल रही हैं। मई महीने में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से थोक मुद्रास्फीति लगातार तीसरे महीने बढ़ गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, खाने-पीने की चीजों में सब्जियों और बनी बनाई चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से थोक मुद्रास्फीति लगातार तीसरे महीने बढ़कर 2.61 फीसदी तक पहुंच गई हैं। मंत्रालयों के आंकड़ों के अनुसार, मई में सब्जियों की महंगाई दर 32.42 फीसदी रही, जो अप्रैल में 23.60 फीसदी थी। प्याज की महंगाई दर 58.05 फीसदी, जबकि आलू की महंगाई दर 64.05 फीसदी रही। दालों की महंगाई दर मई में 21.95 फीसदी रही। ईंधन एवं बिजली क्षेत्र में महंगाई 1.35 फीसदी रही, जो अप्रैल के 1.38 फीसदी से कुछ कम है।

स्टेनली लाइफस्टाइल्स आईपीओ का प्राइस बैंड हुआ तय

नईदिल्ली। फुली इंटीग्रेटेड लग्जरी निर्माता स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड तय कर दिया है। कंपनी ने प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड रू. 351 से रू. 369 के बीच तय किया है। इसका फेस वैल्यू 2 रुपये प्रति शेयर है। स्टेनली लाइफस्टाइल्स आईपीओ के जरिए 537 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। स्टेनली लाइफस्टाइल्स के अनुसार, कंपनी का आईपीओ 21 जून को खुलेगा और 25 जून को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक 20 जून को बोली लगा पाएंगे। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का प्राइस बैंड 351-369 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ में 200 करोड़ रुपये मूल्य के ताजा शेयर और कंपनी के प्रवर्तकों तथा अन्य शेयरधारकों द्वारा 91.33 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। इस इश्यू का आधा हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए आरक्षित किया गया है।

भेल को अदाणी की कंपनी से मिला 7000 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भेल को अदाणी समूह से 7,000 करोड़ रुपये मूल्य के दो बिजली संयंत्रों के ठेके मिले हैं। भेल ने एक बयान में बताया है कि छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में स्थापित किए जा रहे 2×800 मेगावाट रायपुर सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के लिए पहला ऑर्डर अदाणी पावर लिमिटेड से प्राप्त हुआ है। दूसरा ऑर्डर उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में स्थापित किए जा रहे 2×800 मेगावाट के मिर्जापुर सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के लिए एमटीयूपीपीएल (अदाणी पावर लिमिटेड की सहायक कंपनी) से प्राप्त हुआ है। दोनों परियोजनाओं के लिए बीएचईएल के जिम्मे मुख्य संयंत्र उपकरण और संबंधित सहायक उपकरणों के निर्माण और आपूर्ति के साथ-साथ निर्माण और कमीशनिंग की निगरानी भी शामिल है।

खेती को आर्थिक के साथ सियासी लाभ का धंधा बनाने की चुनौती

(गतांक से आगे...)

अजय बोकिल

मोदी सरकार 2020 में अपने दूसरे कार्यकाल में तीन कृषि कानून लेकर आई थी। संसद में इस बिल के पास होते ही उत्तरी राज्यों के किसान सड़कों पर उतर आए। इस असंतोष को हवा देने में कुछ राजनीतिक दलों और स्वयंसेवी संगठनों की भी बड़ी भूमिका थी। बावजूद इसके यह भी सच था कि किसानों की आंशकाओं का कोई ठोस और संतोषजनक जवाब सरकार इस बिल को लाते समय नहीं दे पाई थी।

मोदी सरकार द्वारा जो तीन कृषि कानून लाए गए थे, उनमें पहला था- आवश्यक वस्तु (संशोधन) कानून- इस कानून में अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज आलू को आवश्यक वस्तुओं की सूची से हटाने का प्रावधान किया गया था ताकि बाजार में प्रतिस्पर्द्धा बढ़े। किसानों को उपज का बेहतर मूल्य मिले। दूसरा था- कृषि उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) कानून- इसके तहत किसान कृषि मंडी के बाहर भी अपनी उपज बेच सकते थे। इसके लिए किसानों व खरीदारों को कोई शुल्क नहीं देना था। तीसरा था- कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार कानून- इस कानून का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी फसल की निश्चित कीमत दिलवाना था। इसके तहत कोई किसान फसल उगाने से पहले ही किसी व्यापारी से समझौता कर सकता था।

किसान को फसल की डिलिवरी के समय ही दो तिहाई राशि का भुगतान किया जाता और बाकी पैसा 30 दिन में देना होता। अगर एक पक्ष समझौते को तोड़ता तो उस पर जुर्माना लगाया जाता। लेकिन इन कानूनों के प्रावधानों से तीनो राज्यों के किसान खुश नहीं

थे। वो चाहते थे कि सरकार उनकी सारी उपज एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर ही खरीदे।

यह एमएसपी भी स्वामीनाथन (जिन्हें सरकार ने इस साल भारत रत्न दिया) आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक हो तथा सरकार एमएसपी की केवल घोषणा ही नहीं करे बल्कि इसकी कानूनी गारंटी भी दे। वर्तमान में भारत सरकार कुल 23 फसलों पर एमएसपी देती है। किसान आंदोलन के दौरान बताया जाता है कि सरकार चुनिंदा फसलों पर एमएसपी की गारंटी देने को तैयार भी हो गई थी, लेकिन आंदोलनकारी किसान इस पर सहमत नहीं थे।

दूसरी आशंका कारपोरेट फार्मिंग को मंजूरी मिलने पर किसान हितों की रक्षा की कमजोर व्यवस्था थी। डर था कि फसल खराब होने पर किसान अपनी जमीन भी कारपोरेट के हाथों गंवा सकता है। इन्हीं के चलते दिल्ली की सीमा पर लगभग साल भर तक किसान आंदोलन चला, जो अंतत- पीएम मोदी द्वारा इन कानूनों की वापसी के बाद कमजोर पड़ा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कृषि सुधार कानून लाने के पीछे मकसद सही था, लेकिन तरीका गलत था। कृषि कानून वापसी के दांव का फायदा बीजेपी को 2022 में यूपी के विधानसभा चुनाव में मिला। लेकिन किसानों की मांगों का कोई हल नहीं हुआ। सरकार सभी फसलों परएमएसपी की कानूनी गारंटी देने को तैयार नहीं है।

उसका मानना है कि ऐसा किया गया तो सरकार पर सभी फसले खरीदने पर असहनीय आर्थिक बोझ बढ़ेगा। दूसरे, कच्चा माल महंगा होने पर सभी खाद्य वस्तुएं भी महंगी होंगी, जिससे आम उपभोक्ता खासकर मध्यम व निम्न वर्ग की नाराजी का सामना सरकार को करना पड़ेगा। न सिर्फ मध्यम व निम्न वर्ग खुद किसान को भी परेशानी हो सकती है, क्योंकि वह कतिपय फसलों का उत्पादक भले हो, लेकिन बाकी चीजों का तो उपभोक्ता ही है।

अब नए देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह के सामने बड़ी चुनौती नाराज किसानों के सामने कोई सर्वमान्य हल पेश करने की होगी। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश ऐसे इलाके हैं, जहां फसलों की एमएसपी पर सर्वाधिक खरीदी होती है। वहां के किसानो को विश्वास में कैसे लिया जाएगा, यह देखने की बात है।

रेल नेटवर्क से जुड़ेगा मुंगेली जिलाः साय

मुख्यमंत्री ने कहा कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल परियोजना अंतर्गत भू-अर्जन की कार्यवाही जल्द

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि आने वाले समय में मुंगेली जिला रेल नेटवर्क में शामिल हो जाएगा, इससे मुंगेली जिले में रेल की सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि कटघोरा-डोंगरगढ़ विशेष रेल परियोजना के लिए राज्य शासन द्वारा 300 करोड़ रूपए की राशि की स्वीकृति दी जा चुकी है। शीघ्र ही भू-अर्जन की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। इस परियोजना अंतर्गत मुंगेली जिले में 38.02 किलोमीटर रेल लाईन गुजरेगी, जिससे इस क्षेत्र के लोग भी आने वाले समय में रेल सेवा से लाभान्वित होंगे। साय आज मुंगेली जिले के ग्राम फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर ग्राम फरहदा में साहू समाज के सामुदायिक भवन के लिए 25 लाख रुपए, आदिवासी एवं सतनामी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 6-6 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कार्यक्रम में लगभग 25 करोड़ से अधिक की राशि के 19 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। साथ ही उन्होंने ग्राम फरहदा में शासकीय हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल के रूप में उन्नयन और ग्राम भालापुर से अचानकपुर तक और हरियरपुर से टेढ़ाधौंरा तक सड़क नवीनीकरण कार्य के लिए भी घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने भक्त माता कर्मा प्राण-प्रतिष्ठा के लिए साहू समाज एवं उपस्थित सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा की ग्राम फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर का निर्माण बिना किसी शासकीय सहयोग के सभी ग्रामवासियों ने मिलकर करवाया है। यह ग्रामवासियों के सामूहिक एकता को दर्शाता है। उन्होंने बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र से श्री तोखन साहू को सांसद के रूप में जिताने के लिए जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रीमंडल में सांसद श्री तोखन साहू को आवास एवं शहरी मामलों के केन्द्रीय राज्यमंत्री बनाया गया है, जो पूरे प्रदेश एवं

इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा की हमारी सरकार विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के किसानों को हम 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान की कीमत दे रहे है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर-मुंगेली रोड से ग्राम फरहदा मार्ग जिसकी कुल लंबाई साढ़े पांच किलोमीटर है, बजट में इसे स्वीकृत किया गया है, जल्द ही इसका कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि हमारी सरकार विकास के लिए समर्पित है। प्रदेश सरकार पानी, बिजली, आवास सहित विकास के सभी आयामों पर बेहतर तरीके से कार्य कर रही है। कार्यक्रम में वाणिज्य, उद्योग, श्रम एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखनलाल देवागंन ने धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, विधायक रायपुर मोतीलाल साहू, पूर्व सांसद लखनलाल साहू, पूर्व विधायक श्री विक्रम मोहले, श्री कृष्णमूर्ति बांधी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शीलू साहू, श्रीमती अम्बालिका साहू, श्रीमती दुर्गा उमाशंकर साहू अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रदेश, जिला एवं तहसील साहू समाज के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में सामाजिक बन्धु मौजूद रहे।

लोकार्पण और शिलान्यास-मुख्यमंत्री श्री साय ने जिन कार्यों का लोकार्पण किया उनमें ग्राम पा. खम्हरिया में 1.89 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित 33/11 व्ही सब स्टेशन, ग्राम कंतेली में 1.87 करोड़ रूपए की राशि से निर्मित 33/11 के. व्ही सब स्टेशन और आगर व्यपवर्तन योजना के तहत 19 करोड़ 12 लाख 57 हजार रूपए की लागत से निर्मित 15 माईनर नहर में सी.सी. लाईनिंग व स्ट्रक्चरों के जीर्णोद्वार के कार्य शामिल हैं। इसी तरह 01.37 करोड़ रूपए की लागत से नवागढ़ चौक से खैरवार बायपास रोड में 06 किलोमीटर तक एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य, 34.35 लाख रूपए की लागत से देवरी से खेढ़ा कालोनी में एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य, शासकीय हाईस्कूल फुलवारी एफ., जोता, भटगांव तथा हायर सेकेण्डरी स्कूल खुड़िया, बैगाकापा, सुकली, देवरहट, मनोहरपुर, नगर पालिका मुंगेली, पदमपुर, जरहागांव, सिलतरा, लौदा और बैतलपुर में प्रत्येक में 07 लाख 63 हजार रूपए की राशि से कक्ष निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

कानून-व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी, लापरवाही की वजह से किया कलेक्टर-एसपी को निलंबित

रायपुर। बलौदाबाजार की घटना को लेकर प्रदेश में गरमाई सियासत के बीच उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा ने माना कि कानून-व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कलेक्टर और एसपी को निलंबित कर दिया गया है. उनकी लापरवाही की वजह से ऐसा किया गया है.

गृह मंत्री विजय शर्मा ने बलौदाबाजार की घटना पर प्रेस से मुखातिब होते हुए कहा कि जितने भी वीडियो प्रकाश में आए, उससे बहुत सारी बातें स्पष्ट होती है. कुछ और भी बातें फीडबैक में आई, जिससे यह स्पष्ट हुआ. इसमें जांच की भी कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद पुलिस महकमा पूरी तरह से सजग है. गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इस घटना के बाद कानून-व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है. गृह मंत्री होने के बाद भी मैं इस बात को कह रहा हूं. प्रदेश के पूरे जिले में क्या स्टैंडर्ड प्रोसिजर होना चाहिए, इस पर काम हो रहा है. सभी जिलों में इसे शीघ्र ही लागू कर दिया जाएगा. गृह मंत्री विजय शर्मा ने भाजपा की जांच कमेटी को लेकर कहा कि सभी पहलुओं पर जांच करना है. समाज के लोग प्रतिदिन मुख्यमंत्री के पास आकर कह रहे हैं. यह समाज का कोई विषय नहीं है. समाज संतुष्ट है, समाज का कहना है कि असामाजिक लोगों ने यह कार्य किया है. अब यह कैसे हुआ, क्या बताना चाहते हैं, ऐसे बहुत सारे बिंदु हैं, जिन पर जानकारी होनी चाहिए. घटना को लेकर हो रही राजनीति पर विजय शर्मा ने कहा कि इस पर ना करें राजनीति तो अच्छा है, बल्कि इसमें जो दिख रहा है अगर उसको बता पाए तो समझ आएगी. मैंने कहा कि इसमें बहुत सारे नेतागण भी संलिप्त हैं, उस पर भी जांच हो रही है. भाजपा पर अपनी विफलता को छुपाने के कांग्रेस के आरोप पर गृह मंत्री ने कहा, सरकार ने पहले ही समाज से बात शुरू कर दी थी. 10 तारीख से पहले ही इस मामले में न्यायिक जांच की घोषणा कर दी थी. मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार किया जा चुका था.

सरायपाली में विद्युत आपूर्ति बहाली के दौरान ई.ई के ऊपर गिरी पेड़ की शाखा गंभीर

अस्पताल में भर्ती, मुख्यमंत्री द्वारा श्रेष्ठतम उपचार के निर्देश

रायपुर। तेज आंधी-तूफान-बारिश के कारण 13 जून 2024 को सरायपाली अंचल में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई, जिसमें सुधार के लिए बिजली कर्मियों के दल के साथ कार्यपालन अभियंता (एक्जिक्यूटिव इंजीनियर) आर.के अरोरा भी मौके पर उपस्थित थे। पीपल पेड़ की एक मोटी शाखा उनके ऊपर गिर जाने से श्री अरोरा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी श्री पी. दयानंद, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी द्वारा तत्काल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को दी गई। जिस पर श्री साय ने श्री अरोरा को श्रेष्ठतम उपचार दिलाने के निर्देश दिए, साथ ही उनकी कर्तव्य-परायणता की सराहना की है। दयानंद ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय ने इस बात को लेकर संतोष जताया है कि

प्राकृतिक संकट के दौरान विद्युत मण्डल के अधिकारी और कर्मचारी दिन-रात की परवाह किए बिना फील्ड पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। अपने मातहत दल के साथ सुधार कार्यों में तत्परता दिखा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 13 जून के आंधी-तूफान-बारिश में सरायपाली शहर सहित आसपास के गांवों, बलौदा, मलदामाल आदि स्थानों पर 33 के.वी. तथा 11 के.वी. लाइनों के ऊपर पेड़ों की भारी शाखाएं टूटकर गिर गई थी। 11 के.वी के 7 तथा 132 के.वी के 5 फीडर प्रभावित हुए थे। रात करीब 9:30 बजे जब सरायपाली में 33 के.वी. उपकेंद्र के पास 33 के.वी. लाइन पर सुधार किया जा रहा था, तब पीपल पेड़ की एक मजबूत टहनी श्री अरोरा के ऊपर गिर गई, जिससे उनके सिर, पसलियों और पैरों में चोट आई है। वे बेहोश होकर गिर पड़े थे। घटना की सूचना तत्काल एम.डी. पारेषण राजेश कुमार शुक्ला, ई.डी. भीमसिंह कंवर तथा संदीप वर्मा को मिली।

सुशील आनंद शुक्ला के बयान पर बोले भाजपा महामंत्री

प्रदेश के कांग्रेसियों में मंथरा बनने की होड़:भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कांग्रेस नेताओं पर करारा कटाक्ष करते हुए कहा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा मंत्री व नवनिर्वाचित सांसद बृजमोहन अग्रवाल के फोटो पर टिप्पणी कर कांग्रेसी राजनीतिक मनोविकृति का परिचय दे रहे हैं। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस के लोग बिना झूठ बोले और लोगों को बिना भ्रमित किए राजनीति करना ही नहीं जानते, लेकिन प्रदेश की जनता-जनार्दन अब कांग्रेस के राजनीतिक झूठ और झाँसों में कतई नहीं आ रही है।चुनावो में मिली बड़ी हार कांग्रेस का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री श्रीवास्तव ने कहा कि राजनीतिक तोड़फोड़ जिस कांग्रेस का कलंकित इतिहास रहा है, उस कांग्रेस को अब यह सहन नहीं हो रहा है कि प्रदेश के मुखिया के तौर पर एक आदिवासी समाज का नेता मोदी की गारंटी को तेजी से पूरा करके प्रदेश में सुशासन लाने की अपनी कठोर प्रतिबद्धता के साथ अनथक परिश्रम कर रहा है। श्री साय के मुख्यमंत्रित्व में प्रदेश की भाजपा सरकार ने शानदार 6 माह का कार्यकाल पूरा कर दिखाया है। कांग्रेस में दिन-रात राजनीतिक धमाचौकड़ी और घमासान देखते रहने के आदी हो चले कांग्रेस के नेता इस बात पर हैरान हैं कि भाजपा की सरकार अपने इस 6 माह के कार्यकाल में ही अपने वादे पूरे करके देश में एक मिसाल कायम कर चुकी है, वहीं कई कड़े फैसले लेकर प्रदेश को सुशासन देने में जुटी है।

बलौदाबाजार की घटना से छत्तीसगढ़ कलंकित, कई लापता

रायपुर। बलौदाबाजार में हुई हिंसा को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रेसवार्ता में कहा, इस घटना से छत्तीसगढ़ कलंकित हुआ है. एसपी और कलेक्टर आंख बंद कर बैठे रहे. क्या विभाग के मंत्री और अधिकारी को पता नहीं होगा. सरकार को अपने पद पर एक भी मिनट रहने का अधिकार नहीं है. अपराधियों को सरकार पकड़े और उस पर कड़ी कार्रवाई करे. निर्दोष लोगों के साथ गलत ना किया जाए. इस घटना के बाद कई लोग लापता हैं, प्रशासन इसकी सूची जारी करे.

बघेल ने कहा, देश और प्रदेश के इतिहास में एसपी और कलेक्टर कार्यालय को कभी नहीं फूंका गया. सभा स्थल से कलेक्ट्रेट की दूरी लगभग 2

किलोमीटर है. सभा में सुबह 10 बजे से लोगों का आना शुरू हो गया था. सभा में अन्य जिलों से भी लोग आए थे.

नागपुर से भी बड़ी संख्या में लोग आए थे. इसमें अन्य लोगों के संलिप्त रहने की जानकारी मिल रही है. प्रशासन की तरफ से कोई भी व्यवस्था नहीं गई थी. कार्यालय को तोड़ा गया, आग लगा दी गई, लेकिन प्रशासन हाथ पर हाथ धरा बैठा रहा. भूपेश बघेल ने कहा, जब 10 बजे से भीड़ आनी शुरू हो गई थी तब भी पुलिस प्रशासन की व्यवस्था नहीं थी. प्रशासन के पास कोई भी अल्टरनेटिव मैनेजमेंट नहीं था. हिंसक प्रदर्शन के बाद पूरे बलौदाबाजार जिले में दहशत का वातावरण है. कोई भी कुछ कह नहीं रहा है. इस घटना के बाद बहुत से लोग लापता हैं. कल एक महिला आई थी, उसके पति लापता है. पति का फोन बंद आ रहा है. मुंगेली से एक व्यक्ति पिक्चर देखने आया था उसको सिनेमा हॉल से ही उठाकर पुलिस ले गई.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

छत्तीसगढ़ में 602 परीक्षार्थी देंगे दोबारा नीट की परीक्षा

रायपुर। नीट की परीक्षा में बालोद और दंतेवाड़ा परीक्षा केंद्र में हुई गड़बड़ी के कारण छत्तीसगढ़ के 602 छात्रों को एनटीए की तरफ से ग्रेस मार्क देने के बाद यह विवादों में घिर गया। इसके खिलाफ कुछ अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी और सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेस मार्क को रद्द कर दोबारा परीक्षा करवाने का आदेश दिया है। मेडिकल और डेंटल कालेजों में प्रवेश के लिए पांच मई को देशभर में नीट की परीक्षा हुई। जिस दिन परीक्षा हुई उसी दिन से परीक्षा विवादों में आ गई। पेपर लीक, परीक्षा केंद्रों में समय पर पेपर नहीं मिलने जैसे विवाद सामने आने लगे। देशभर के अभ्यर्थी जहां पर गड़बडियां हुई है, वो कोर्ट चले गए। कोर्ट में परीक्षा रद्द करने की मांग करने लगे। परीक्षा परिणाम संभावित तिथि से 10 दिन पहले यानी चार जून को घोषित कर दिए गए और ग्रेस मार्क के कारण अंकों में भी गड़बड़ी हुई। 718, 719 अंक भी अभ्यर्थियों को मिले इस लेकर भी अभ्यर्थियों ने शोर मचाया। इसके बाद एनटीए की तरफ से बताया गया कि जिन परीक्षा केंद्रों में परीक्षा में देरी की शिकायत मिली है, वहां के छात्रों को ग्रेस मार्क दिए गए है, इस वजह से 718 और 719 अंक मिले हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक ग्रेस अंक पाने वाले छात्रों की 23 जून को परीक्षा होगी, 30 जून को परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा जिसमें छत्तीसगढ़ के 602 परीक्षार्थी भी शामिल है जो नीट की दोबारा परीक्षा देंगे।

कार्य में लापरवाही के कारण कुनकुरी के ए.ई व जे.ई निलंबित

रायपुर। कुनकुरी शहर में विद्युत सुधार संबंधी कार्यों में लापरवाही बरतने के लिए कुनकुरी में पदस्थ सहायक यंत्री आर.आर साहू तथा कनिष्ठ यंत्री दिनेश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मुख्य अभियंता अंबिकापुर शिरीष सेलट द्वारा जारी आदेशानुसार कार्यपालन यंत्री (संचालन-संचारण) संभाग जशपुर, अधीनस्थ कार्यालय सहायक यंत्री उपसंभाग कुनकुरी में पदस्थ श्री आर.आर साहू सहायक यंत्री को कार्य में लापरवाही बरतने एवं उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों की अवहेलना के फलस्वरूप तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय कार्यालय अधीक्षण यंत्री, वृत्त बैकुंठपुर निर्धारित किया गया है। इसी तरह अधीक्षण यंत्री अंबिकापुर श्री आर.के मिश्रा द्वारा जारी आदेशानुसार कार्यपालन यंत्री (संचालन-संधारण) संभाग जशपुर अधीनस्थ कार्यालय कनिष्ठ यंत्री वितरण केंद्र कुनकुरी में पदस्थ श्री दिनेश कनिष्ठ यंत्री को कार्य में लापरवाही बरतने एवं उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों की अवहेलना के फलस्वरूप तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय कार्यपालन यंत्री (संचालन-संधारण), संभाग बलरामपुर निर्धारित किया गया है।

लोकरंजनी रायपुर एवं संस्कार भारती द्वारा छग के साहित्यकारों का सम्मान

रायपुर। लोकरंजनी लोककला मंच रायपुर तथा कला एवं साहित्य व रंगमंच के लिए समर्पित

अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में कवि व साहित्यकारों के सम्मान में छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न सम्मान 2024 कार्यक्रम का आयोजन रायपुर के सिविल लाइन स्थित वृंदावन हाल में किया गया। जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे, मीर अली मीर, रामेश्वर वैष्णव, रामेश्वर शर्मा , सुशील भोले, डॉ. चितरंजन कर, श्रीमती शकुंतला तरार, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, श्रीमती उर्मिला देवी उर्मी, राजेश जैन राही, डॉ. देवधर महंत, डॉ अनिल कुमार भतपहरी, गोविंद धनगर, राजेश चौहान, जनाब सुखनवर हुसैन, लोकनाथ साहू ललकार, शशि भूषण स्नेही, मिनेश कुमार साहू, डॉ. इंद्रदेव यदु ,विजय मिश्रा अमित आरंग से महेन्द्र कुमार पटेल को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला कुलपति पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर व अध्यक्षता सुश्री ललिता मेहर जी डी.एस.पी. रायपुर ने की। सभी अतिथियों एवं कवियों का स्वागत डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर संचालक लोकरंजनी लोककला मंच रायपुर एवं अध्यक्ष संस्कार भारती रायपुर ने किया।

दुर्घटना को बताया सामान्य मौत, थाना प्रभारी लाइन अटैच

रायपुर। गोबरा नयापारा क्षेत्र की पारागांव रेत खदान में चैन माउंटेन मशीन से युवक की मौत के मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बड़ी कार्रवाई की है. उन्होंने गोबरा नवापारा थाना प्रभारी अवधराम साहू को लाइन अटैच कर दिया है. थाना प्रभारी ने लापरवाहीपूर्वक सामान्य मौत दिखाते हुए मर्ग कायम किया था. जबकि मृतक के परिवार और गांव वालों ने इस हत्या बताते हुए अपराध दर्ज करने की मांग की थी. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना गोबरा नयापारा क्षेत्र की पारागांव रेत खदान में मुकेश ढीढी अभनपुर, जयवर्धन बघेल अभनपुर, अंकित तिवारी खदान में अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर रहे थे. इस दौरान चैन माउंटेड मशीन के नीचे दब कर युवक राजेश यादव की मौत हो गई. मृतक को युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष जयवर्धन बघेल ने अवैध रेत उत्खनन के लिए बुलाया था. मामले में नीलेश राजपूत, विमलेश द्विवेदी और अज्जू भी शामिल थे. पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर पतासाजी कर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. घटना का मास्टर माइंड मुकेश ढीढी भाजपा सदस्य बताया जा रहा है, जो क्षेत्र के बड़े भाजपा नेता का करीबी है. गिरफ्तार आरोपी में जयवर्धन बघेल पिता चंद्रिका प्रसाद बघेल उम्र 32 साल गोतियारडीह थाना अभनपुर जिला रायपुर, निलेश सिंह राजपूत पिता स्व. कल्याण सिंह उम्र 39 साल परपोडा तहसील बेरला जिला बेमेतरा, विमलेश द्विवेदी पिता इंदेश द्विवेदी उम्र 28 साल वार्ड नं. 6 नगर पंचायत देवकर थाना साजा है.

समय पर जीएसटी का भुगतान नहीं करने वाले व्यवसायियों पर स्टेट जीएसटी सख्त

रायपुर। राज्य मे पिछले कुछ वर्षों मे जिलों मे डीएमएफ मद से बड़ी संख्या मे निर्माण कार्य और सामाग्री क्रय किया गया है परंतु जितना व्यय शासन द्वारा किया गया है उस अनुपात मे शासन को जीएसटी नहीं मिला है। स्टेट जीएसटी मे गठित किए गए बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिट के द्वारा ए आई आधारित आई टी टूल्स का प्रयोग कर ऐसे व्यवसायियों का एनालिसिस किया जा रहा है जिनके द्वारा शासकीय सप्लाइ तो किया गया है पर जीएसटी नहीं पटाया गया है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य मे विगत दिनों कुछ व्यवसायियों की जांच कर उनसे टैक्स जमा करवाया गया । केशकाल के भारत इन्फ्रा नाम के व्यवसायी के प्रकरण मे 91 लाख रु. और रायपुर के श्री कृष्ण इंटर प्राइजेस मे 2.5 करोड़ रु की कर चोरी पकड़ी गई है इसमे से 1.75 करोड़ रु.टैक्स विभाग ने वसूल कर किया है । इसी तरह का एक और मामला हार्टीकल्चर विभाग मे भी पकड़ा गया है जिसमे शेड नेट सप्लाइ करने वाली कंपनी किसान एग्रोटेक को विभाग ने नोटिस दिया है। इस प्रकार की कर चोरी करने वाले व्यवसायी अक्सर अपनी टैक्स लाईबिलिटी कम दिखाने के लिए बोगस बिलों पर आई टी सी क्लेम करते हैं परंतु यह भूल जाते हैं कि अब विभाग के पास ऐसे कई आई टी टूल्स हैं जिनके कारण इस तरह के मामलों मे बच निकलना कठिन है।

छत्तीसगढ़ में होगी जियो-रेफ्रेसिंग से ई-गिरदावरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राजस्व प्रशासन को चुस्त-दुरूस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है। राज्य में अब डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए तैयारियां की जा रही हैं, इस सर्वे को अंजाम देने के लिए राजस्व विभाग द्वारा भूमि का जियो-रेफ्रेंसिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। एक ओर जियो-रेफ्रेंसिंग से भूमि विवादों में कमी आएगी। वहीं दूसरी ओर फसलों की ई-गिरदावरी का कार्य आसान हो जाएगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य में सुशासन के लिए पारदर्शी और बेहतर प्रशासन के लिए शासकीय

काम-काज में अधिक से अधिक आईटी का उपयोग करने के निर्देश सभी विभागों को दिए हैं। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में राजस्व अधिकारियों को भूमि के जियो-रेफ्रेंसिंग का कार्य तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने बैठक में कहा कि ग्रामीणों और किसानों को नामांतरण, बटवारा, सीमांकन और व्यपवर्तन कार्य में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जनता की दिक्कतों को पूरी संवदेनशीलता के साथ दूर करने के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की शिकायत पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सत्र को ध्यान रखते हुए सभी राजस्व अधिकारी सुनिश्चित करें कि बच्चों को आय और जाति प्रमाण पत्र के लिए भटकना न पड़ें। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि अविवादित नामांतरण प्रकरणों के निराकरण में यह देखा गया है कि ऐसे प्रकरणों को बिना किसी कारण के अनावश्यक खारिज किया जा रहा है। ऐसे प्रकरणों पर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के भू-अभिलेख में त्रुटि सुधार के लिए अभियान चलाया जाए, इसके लिए पंचायत स्तर पर आवेदन लेकर उसका निराकरण किया जाए।

नगरीय निकायों में 800 करोड़ का बिजली बिल बकाया

रायपुर. छत्तीसगढ़ में बिजली बिल महंगी होने के बाद डिप्टी सीएम ने सभी 184 नगरीय निकायों में प्रोफेशनल एजेंसीज बिजली बिल और एनर्जी का चरणबद्ध तरीके से ऑडिट करने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने जल्द से जल्द पारंपरिक ऊर्जा के स्थान पर सौर ऊर्जा का उपयोग करने को कहा है. डिप्टी सीएम साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि अधिकांश निकायों में इस मद में राशि के अभाव के कारण समय पर बिजली के बिल का भुगतान नहीं किया जाता है. इससे नगरीय निकायों और विभाग को हर वर्ष अनावश्यक ही सरचार्ज व एरियर्स की राशि के रूप में बिजली विभाग को अतिरिक्त राशि का भुगतान करना पड़ता है.

डिप्टी सीएम ने बताया कि ऊर्जा और बिजली बिल के ऑडिट से इनकी बचत के उपाय करने में सहूलियत होगी. साव ने बिजली बचाने और इसके खर्च में कमी लाने के लिए नगरीय निकायों में पारंपरिक ऊर्जा के बदले ग्रीन एनर्जी के उपयोग को बढ़ावा देने को कहा है. इससे निकायों का खर्च घटने के साथ ही पर्यावरण भी सुधरेगा. सौर ऊर्जा के उपयोग से करोड़ों की होगी बचत उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इस स्थिति को देखते हुए विभागीय समीक्षा बैठक में नगरीय निकायों के बिजली बिलों के ऑडिट तथा एनर्जी ऑडिट कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं. इससे प्रत्येक निकाय के बिजली बिल के ऑडिट से वास्तविक विद्युत खपत और अनावश्यक रूप से सरचार्ज के लिए किए जा रहे भुगतान का स्पष्ट आंकलन किया जा सकेगा. ऑडिट के बाद विद्युत की खपत घटाने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने के लिए नीति भी तैयार की जाएगी. विद्युत खपत घटाने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने से लंबी अवधि में लगभग 800 करोड़ रुपए से एक हजार करोड़ रुपए की बचत होगी.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.